राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,26 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –180 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रामनाथ कोविंद के कार्यकाल के 3 साल पूरे, कोरोना से जंग में निभा रहे अहम भूमिका

नेशनल डेस्क।

राष्ट्रपति के तौर पर रामनाथ कोविंद ने शनिवार को तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया। राष्ट्रपति भवन की तरफ से इस अवसर पर कहा गया कि उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में देश का मार्गदर्शन किया और इस वर्ष सैनिकों, वैज्ञानिकों सहित करीब 7000 लोगों से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन कार्यालय ने ट्वीट में कहा कि भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज अपने कार्यालय में तीन वर्ष पूरे कर लिये। राष्ट्रपति भवन की विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति कोविंद, प्रथम महिला और उनके परिवार के सदस्यों ने सभी नागरिकों के साथ उन सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट किया जो अपने और परिवार पर गंभीर खतरे की परवाह नहीं करते हुए देश के लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा में लगे हुए हैं। राष्ट्रपति कोविंद ने 'पीएम केयर्स कोष में एक महीने का वेतन दिया और और एक वर्ष के लिये अपना 30 प्रतिशत वेतन छोड़ने का निर्णय किया। राष्ट्रपति भवन ने उनके राष्ट्रपति रहने के तीसरे वर्ष में हुए विभिन्न कार्यों एवं पहल का उल्लेख भी किया। कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रपति ने खर्च को व्यवहारिक बनाया ताकि संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सके। इसमें कहा गया कि कोविंद ने उपराष्ट्रपति के साथ कोविड-19 के प्रबंधन और उसे रोकने के लिये केंद्र और राज्य स्तर पर किये जा रहे प्रयासों को गति देने के लिये सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपालों एवं उपराज्यपालों के साथ दो बार वीडियो कांफ्रेंस पर चर्चा की। राष्ट्रपति भवन में और विभिन्न राज्यों की यात्रा के दौरान 6991 लोगों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। इसमें कहा गया कि औसतन प्रतिदिन राष्ट्रपति से 20 लोगों ने मुलाकात की जिसमें सैनिकों से लेकर वैज्ञानिक और किसानों से लेकर अग्निशमन कर्मी शामिल है। बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने केंद्र सरकार के 48 विधेयकों और राज्य सरकार के 22 विधेयकों को अपनी मंजूरी दी, साथ ही 13 अध्यादेश जारी किये एवं 11 राज्यपालों, भारत के प्रधान न्यायाधीश, मुख्य सूचना अधिकारी तथा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति की । इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने अपने कार्यकाल के तीसरे वर्ष में 19 राज्यों एवं चार केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा किया । इसमें राष्ट्रपति भवन में पहुंच और सुलभ बनाने को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि 25 जुलाई 2019 के बाद से 1,22,292 लोगों ने यहां की यात्रा की। कोविंद ने चिनार कोर के शहीदों को श्रीनगर के युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि दी और थल सेना, नौसेना और वायु सेना दिवस में हिस्सा लिया । राष्ट्रपति ने ओडिशा के गोपालपुर में कोर ऑफ आर्मी एयर डिफेंस, महाराष्ट्र के नाशिक में आर्मी एविएशन कोर तथा केरल के इझिमला में भारतीय नौसैनिक अकादमी को ध्वज प्रदान किया ।

संघ की बैठक में राम मंदिर, भारत-चीन गतिरोध पर चर्चा: सूत्र

नेशनल डेस्क।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की चार दिवसीय बैठक के दौरान राम मंदिर, चीन-भारत गतिरोध और कोरोना वायरस महामारी के दौरान देश के समक्ष उत्पन्न अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। संघ के उच्च पदस्थ सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरसंघचालक मोहन भागवत की अध्यक्षता में संघ के बड़े पदाधिकारियों की यह चार दिवसीय बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। बैठक में शिरकत के बाद भागवत शनिवार को नागपुर के लिए रवाना हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भागवत जी आज सुबह साढ़े नौ बजे सड़क मार्ग से भोपाल से नागपुर के लिए रवाना हो गए हैं। संघ के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक सोमवार को यहां पहुंचे आरएसएस के सरसंघचालक ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान उन स्थितियों एवं चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनका हमारा देश वर्तमान में सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ नेताओं ने कोरोना वायरस दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए राम मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा, इस बैठक में शीर्ष कार्यकर्ताओं ने

हिंदुओं के पुनरुत्थान के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस बैठक में चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करने के लिए स्वदेशी आंदोलन को मजबूत करने पर भी विचार किया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक पदाधिकारी ने हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह में शिरकत करेंगे। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने कहा कि यह बैठक शहर के शारदा विहार इलाके में सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय स्कूल में आयोजित हुई।

राहुल गांधी ने अब उठाया श्रमिक ट्रेनों का मुद्दा बोले- बीमारी के 'बादल' छाए हैं और...

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कोरोना वायरस के बढ़ते संकट के चलते मोदी सरकार पर आक्रामक हो गए हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहता। केंद्र सरकार के खिलाफ छेड़ी इस जंग में वह ट्विटर को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, अब एक बार फिर उन्होंने ट्विटर के जरिए बड़ा हमला बोला। राहुल गांधी ने शनिवार को ट्वीट कर लिखा कि बीमारी के 'बादल' छाए हैं, लोग मुसीबत में हैं, बेनिफ़िट ले सकते हैं- आपदा को मुनाफ़े में बदल कर कमा रही है ग़रीब विरोधी सरकार। उन्होंने इसके साथ एक खबर को भी टैग किया है जिसका शीर्षक है-श्रमिक ट्रेनों से भी रेलवे ने की जमकर कमाई। एक अखबार में छपी खबर में बताया गया कि श्रमिक ट्रेनों से भी रेलवे ने जमकर कमाई की। इन ट्रेनों से रेलवे को 428 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है। श्रमिक ट्रेनों को लॉकडाउन के दौरान फंसे हुए प्रवासियों को उनके गृह राज्य तक छोड़ने के लिए चलाया गया था। इन ट्रेनों के किराये को लेकर भी काफी विवाद हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 के हालात 1993 में किल्लारी में आए विनाशकारी भूकंप से अलग: शरद पवार

औरंगाबाद। राज्य में कोविड-19 के प्रबंधन को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की प्रशंसा करते हुए राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि 1993 में किल्लारी में आए विनाशकारी भूकंप से उत्पन्न स्थिति के मुकाबले मौजूदा महामारी के हालात अलग हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के उद्देश्य से केंद्र द्वारा जारी पैकेज का अभी तक कोई लाभ देखने को नहीं मिला है। इस सवाल के जवाब में कि किल्लारी भूकंप के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय को लातूर स्थानांतरित कर दिया था, जबकि ठाकरे अभी चीजों का प्रबंधन घर से कर रहे हैं, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किल्लारी के समय स्थिति अलग थी। वह आपदा एक जिले तक सीमित थी, लेकिन मौजूदा संकट पूरे राज्य में व्याप्त है। 1993 में आए किल्लारी भूकंप के समय पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। किल्लारी भूकंप में लगभग 10,000 लोगों की मौत हो गई थी। पवार ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री राज्य में हर जगह जाएंगे तो समन्वय करना मुश्किल होगा। विपक्षी दल भाजपा के नेता ठाकरे के घर से काम करने को लेकर उन पर निशाना साध रहे हैं।

निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने की अनुमति देने के मुद्दे पर अदालत ने दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने की बाबत सरकार से मिली किसी भी अनुमति को शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश देने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका पर शहर की आम आदमी पार्टी सरकार से शुक्रवार को जवाब तलब किया। मुख्य न्यायाधीश डी. एन. पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर एक गैर सरकारी संगठल (एनजीओ) द्वारा दायर जनहित याचिका पर उसका जवाब मांगा है। एनजीओ ने अपनी याचिका में दावा किया है कि चूंकि अभिभावकों को इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है कि शिक्षा निदेशालय ने फीस वृद्धि की अनुमति दी है या नहीं, कुछ स्कूलों ने इसका नाजायज फायदा उठाते हुए अभिभावकों से कथित रूप से ज्यादा फीस वसूल ली है। एनजीओ जस्टिस फॉर ऑल ने अधिवक्ता खगेश बी. झा की मदद से यह याचिका दायर की है। एनजीओ का कहना है कि सरकार की ओर से कम मूल्य में दी गई जमीनों पर बने गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों की फीस वृद्धि का प्रस्ताव शिक्षा निदेशालय को ऑनलाइन भेजा गया था। ऐसे में एक बार उसे मंजूरी मिलने के बाद आदेश की प्रति वेबसाइट पर अपलोड की जानी चाहिए थी, ताकि अभिभावकों को सूचना मिल सके। याचिका में आरोप लगाया गया है कि आदेश की प्रति उपलब्ध नहीं होने के कारण अभिभावकों को पता नहीं है कि फीस वृद्धि का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है या नहीं।

जनता और सरकार ने मिल कर कोरोना वायरस संक्रमण पर विजय पाई है: केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की जनता, उनकी सरकार और केन्द्र ने साथ में मिलकर कोरोना वायरस संक्रमण पर विजय पाई है लेकिन यह लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। केजरीवाल ने बुराड़ी में 450 बिस्तरों वाले दिल्ली सरकार के एक अस्पताल का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले एक महीने में राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस संबंधी मानकों में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, दिल्ली की दो करोड़ जनता, दिल्ली सरकार और केन्द्र ने साथ मिल कर कोरोना वायरस पर विजय पाई है लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि लड़ाई खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले एक माह में दिल्ली में संक्रमण के मामले कम हुए हैं, मरने वालों की संख्या घटी है, ठीक होने की दर बढ़ी है और संक्रमण अनुपात घटा है। केजरीवाल ने कहा कि इस अस्पताल के उद्घाटन के साथ ही शहर में कोरोना वायरस से संक्रमितों के लिए बिस्तरों की संख्या और भी बढ़ जाएगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने अस्पताल का उद्घाटन किया।गौरतलब है कि दिल्ली में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़कर 1,28,389 हो गए हैं।

राजभवन में कांग्रेस विधायकों का धरना खत्म, गहलोत बोले- हम होंगे कामयाब

जयपुर।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र के आश्वासन के बाद कांग्रेस और उसके समर्थक विधायकों का राजभवन में धरना शुक्रवार की रात समाप्त हो गया। ये विधायक विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का सामूहिक आग्रह करने के लिए राज्यपाल से मिलने गए थे और उसके बाद वहां धरने पर बैठ गए। राज्यपाल ने कांग्रेस विधायकों को आश्वस्त किया है कि वह इस मामले में बिना किसी दबाव और द्वेष के संविधान का अनुपालन करेंगे। वहीं, सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा है कि हम होंगे कामयाब। राज्य के चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि राज्यपाल मिश्र ने विधानसभा सत्र को लेकर कुछ सवाल पूछे हैं। मंत्रिमंडल उन पर विचार कर जवाब राज्यपाल को भिजवाएगा। शर्मा ने कहा, ''राज्यपाल संवैधानिक प्रमुख हैं और उनका पूरा सम्मान है। जिस तरह से उन्होंने आश्वस्त किया है, हमें उनकी मंशा पर कोई संदेह नहीं करना चाहिए। उन्होंने (राज्यपाल) कहा है कि मेरे कुछ सवाल हैं, आप मंत्रिमंडल में उन पर विचार कर उनका जवाब मुझे भिजवा दीजिए, मैं संविधान के अनुसार ही कोई फैसला लूंगा। शर्मा ने कहा, ''अभी रात साढ़े नौ बजे मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई है जिन पर राज्यपाल के बिंदुओं पर चर्चा होगी। उनका जवाब आज ही उन्हें भेज दिया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बताया, ''राज्यपाल ने कहा है कि वह बगैर किसी दबाव और द्वेष के संविधान की अनुपालना करेंगे। उन्होंने कहा है कि कुछ टिप्पणियां लिखकर उन्होंने एक छोटा सा आदेश मुख्यमंत्री को भेजा है। जैसे ही मंत्रिमंडल उन टिप्पणियों को निदान कर देगा तो संविधान की धारा 174 के तहत वह संविधान की अनुपालना के लिए कर्तव्यबद्ध हैं। सुरजेवाला ने कहा, ''हमें राज्यपाल के इस आश्वासन पर विश्वास है।

पीयूष गोयल का राहुल पर तंज, देश को लूटने वाले ही सब्सिडी को दे सकते हैं लाभ का नाम

नई दिल्ली।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने श्रमिक रेलगाड़ियों के जरिए लाभ कमाने के राहुल गांधी के आरोप पर शनिवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि जिन लोगों ने देश को लूटा है वही सब्सिडी को लाभ बता सकते हैं। गोयल ने ट्वीट किया, सब्सिडी को लाभ केवल वही लोग बता सकते हैं जिन्होंने देश को लूटा है। रेलवे ने श्रमिक ट्रेनें चलाने में उससे ज्यादा खर्च किया है जितना उसे राज्य सरकारों से प्राप्त हुआ है। लोग अब पूछ रहे हैं कि लोगों के टिकट का खर्च उठाने के सोनिया जी के वादे का क्या हुआ। दरअसल, प्रवासी मजदूर संकट के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन खबरों के सामने आने के बाद कहा था कि उनकी पार्टी श्रमिक ट्रेन के यात्रियों के टिकट का खर्च उठाएगी जिनमें कहा गया था कि गरीब प्रवासी श्रमिकों से यात्रा का खर्च लिया

जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को सरकार पर कोरोना वायरस के चलते लागू लॉकडाउन के दौरान लाभ कमाने का आरोप लगाया जब लोग संकट में थे।

उन्होंने एक खबर को टैग करते हुए ट्वीट किया, बीमारी के बादल छाए हैं और लोग मुसीबत में हैं- लेकिन किसी को बस लाभ कमाना है- यह जनविरोधी सरकार आपदा को लाभ में बदल कर कमा रही है। आधिकारिक डेटा दर्शाते हैं कि रेलवे ने श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाने में 2,142 करोड़ खर्च किए हैं लेकिन उसे महज 429 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। कार्यकर्ता अजय बोस द्वारा दाखिल आरटीआई आवेदन के माध्यम से प्राप्त डेटा दिखाता है के माध्यम से प्राप्त डेटा दिखाता है कि रेलवे ने 29 जून तक 428 करोड़ रुपये कमाएं हैं जब लगभग सभी 4,615 रेलगाडियां चला दी गई थी। इसके अलावा जुलाई में 13 ट्रेनें चलाकर इसने एक करोड़ रुपये कमाए।

गुस्से में चीन ने ब्रिटेन से कहा- बीच में ना पड़ो, हम और भारत देख लेंगे

बीजिंग।

लद्दाख में भारत और चीन के बीच पिछले दो महीनों से जारी संघर्ष के बीच दुनिया के कई बड़ी ताकतें भारत के समर्थन में खुलकर सामने आ गई हैं। पश्चिमी देशों के इस रूख से अब ड्रैगन बैकफुट पर दिखाई दे रहा है। कल ही ब्रिटिश उच्चायुक्त सर फिलिप बर्टन की चीन के खिलाफ टिप्पणी से तिलमिलाए चीन के राजदूत सुन वीडोंग ने कहा है कि भारत और चीन में इतनी बुद्धिमत्ता है कि वे दोनों आपसी मुद्दों को आपस में सुलझा सकते हैं। बता दें कि ब्रिटिश उच्चायुक्त ने लद्दाख सीमा से लेकर साउथ चाइना सी तक चीन की दादागिरी पर सवाल उठाए थे। वहीं, भारत को पहले ही समर्थन दे चुके अमेरिका द्वारा ह्यूस्टन में वाणिज्य दूतावास बंद कर चीन को मुश्किल में डाल दिया है। चीनी राजदूत सुन वीडोंग ने एक बयान में कहा कि भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त द्वारा चीन के बारे में जो टिप्पणी की गई हैं वो पूरी तरह से गलत हैं और उनके द्वारा लगाए गए सारे आरोप झूठे हैं। उन्होंने कहा कि सीमा का प्रश्न चीन और भारत के द्विपक्षीय दायरे में आता है। हमारे पास मतभेदों को सुलझाने के लिए ज्ञान भी है और क्षमता भी। यहां तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही चीनी राजदूत ने कहा कि साउथ चाइना सी में असली चुनौतियां इस क्षेत्र के बाहर की शक्तियों द्वारा पेश की जा रही हैं। यहां तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही चीनी राजदूत ने कहा कि साउथ चाइना सी में असली चुनौतियां इस क्षेत्र के बाहर की शक्तियों द्वारा पेश की जा रही हैं। जो क्षेत्रीय और समुद्री विवादों को बढ़ाती हैं और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कम करती हैं। हांगकांग मामलों पर चीन कोई भी विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करेगा। भारत में ब्रिटिश हाई कमिश्नर सर फिलिप बर्टन ने कहा था कि उनका देश चीन द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में पेश की जा रही चुनौतियों को लेकर सतर्क है। उन्होंने कहा कि हांगकांग ब्रिटेन और चीन के बीच हुए द्विपक्षीय समझौते का साफ उल्लंघन है। इसके साथ ही चीन साउथ चाइना सी में जा कर रहा है उसे लेकर भी हमारी नीति स्पष्ट है। बता दें कि चीन द्वारा हांगकांग में लागू किऐ गए नेशनल सिक्योरिटी लॉ को लेकर ब्रिटेन की सरकार पहले ही चीन के नेशनल सिक्योरिटी लॉ को लेकर ब्रिटेन की सरकार पहले ही चीन के खिलाफ विरोध दर्ज करा चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट से खुलासा, अफगानिस्तान में 6,000 से 6,500 पाकिस्तानी आतंकी मौजूद

इंटरनेशनल डेस्क। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के करीब 6,000-6,500 आतंकवादी पड़ोसी अफगानिस्तान में सक्रिय हैं जिनमें से अधिकतर का संबंध 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से है और वे दोनों देश के लिए खतरा हैं। 'आईएसआईएस, अल-कायदा और संबद्ध व्यक्तियों एवं संस्थाओं से संबंधित विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी टीम की 26वीं रिपोर्ट में कहा गया कि 'भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) तालिबान के तहत अफगानिस्तान के निमरूज, हेलमंद और कंधार प्रांतों से काम करता है। इसमें कहा गया, ''खबरों के मुताबिक संगठन में बांग्लादेश, भारत, म्यामां और पाकिस्तान से 150 से 200 के बीच सदस्य हैं। एक्यूआईएस का मौजूदा सरगना कि एक्यूआईएस अपने पूर्व सरगना की मौत का बदला लेने के लिए क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई की साजिश रच रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

उपचुनाव की जरूरत

भारतीय चुनाव आयोग लोकसभा की एक सीट और विधानसभाओं की 56 सीटों पर उपचुनाव कराने को तैयार है, तो इससे पता चलता है कि महामारी की वजह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं रुकेगी। मंगलवार को आठ सीटों के लिए तय उपचुनाव को जब रद्द किया गया था, तब यह माना जा रहा था कि कोरोना के दौर में मतदान आधारित कोई चुनाव नहीं हो सकेगा। लेकिन यह साफ हो गया है कि जिन सीटों पर अब आयोग चुनाव के लिए तैयार है, उनमें वे आठ सीटें भी शामिल हैं। आठ सीटों को लेकर जल्दी इसलिए भी है, क्योंकि इनके लिए 7 सितंबर तक चुनाव हो जाने चाहिए। बाकी बची 49 सीटों के लिए सितंबर का पूरा समय है। सब कुछ ठीक रहा और स्थानीय प्रशासन ने कोई अड़ंगा नहीं लगाया, तो आयोग चुनाव प्रक्रिया तेज कर देगा। वैसे भी, बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियां चल ही रही हैं। समय पर चुनाव कराना आयोग की जिम्मेदारी है और अगर वह इसे निभाने को लालायित है, तो उसकी सराहना होनी चाहिए। हालांकि काफी कुछ सरकारों को भी तय करना है। अगस्त, सितंबर तक कोरोना जिन इलाकों में काबू में आ जाएगा, वहां तो ज्यादा परेशानी नहीं होगी, मगर उसी दौर में कोरोना चरम पर रहा, तो चुनाव टालने की नौबत आ सकती है। इतना तय है कि कोरोना के समय चुनाव कराने के लिए ज्यादा संसाधन, वाहन और सुरक्षा बलों की जरूरत पड़ेगी। हर एक मतदान केंद्र पर बचाव के दिशा-निर्देशों की पालना कराना आसान नहीं होगा। लंबी लाइन और मतदाताओं की परस्पर दूरी को बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। सर्वाधिक 27 सीटों पर मध्य प्रदेश में उपचुनाव होने हैं। मणिपुर में 11, गुजरात में आठ, तो उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल में चार-चार सीटें और झारखंड में भी दो सीटें खाली हैं। हरियाणा, छत्तीसगढ़ इत्यादि में भी सीटें खाली हैं। संविधान के तहत इन सीटों को खाली नहीं रखा जा सकता। रिक्त विधानसभा क्षेत्रों के नागरिकों के अधिकारों की बहाली और किसी सांविधानिक संकट से बचने के लिए चुनाव जरूरी हैं। हो सकता है, जो प्रतिनिधि ऐसे मुश्किलों के बीच से चुनाव जीतकर आएं, वे जनता के बेहतर सेवक साबित हों। हो सकता है, जो उम्मीदवार कोरोना के दौर में बनें, वे शायद ज्यादा समर्पित और संवेदनशील हों। एक बड़ी महामारी के समय चुनाव का दुर्लभ अनुभव देश को होने जा रहा है। विभिन्न पार्टियां वर्चुअल रैलियां आयोजित कर रही हैं। ऐसे में, अपेक्षित शारीरिक दूरी बरतते हुए भी लोगों से संपर्क करना और मतदान के लिए रिझाना कैसे संभव है, यह देखना दिलचस्प होगा। हो सकता है, विशाल रैलियों और जनसभाओं में होने वाली बेहिसाब भीड़ से प्रभावित होने का मौका न मिलने पर लोग अपने प्रतिनिधि के बारे में सही फैसला कर सकें। ऐसा नहीं है कि कोरोना के समय दुनिया में चुनाव बंद हो गए हैं। दक्षिण कोरिया और सिंगापुर में कोरोना के समय में ही चुनाव हुए हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव 3 नवंबर को तय है और इसकी प्रक्रिया भी वहां शुरू हो चुकी है। दुनिया के जिम्मेदार लोकतंत्रों ने यह संकेत दे दिया है कि कोरोना की वजह से चुनाव नहीं रुकने वाले। किसी बहाने से चुनाव से बचना ठीक नहीं। कोरोना के समय सुरक्षित चुनाव कुछ महंगा पड़ सकता है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल रखने के लिए हमें इस लागत से गुजरना होगा।

आज के ट्वीट

कोरोना

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी के दिन-प्रतिदिन बढ़ने से यहाँ की जनता जिस प्रकार से काफी चिन्तित व त्रस्त है, उसके मद्देनजर कोरोना टेस्टिंग, अस्पतालों में सुविधा व कोविड केन्द्रों की साफ-सफाई आदि पर सरकार तुरन्त उचित ध्यान दे, बीएसपी की यह माँग है। -- मायावती

खोये रोजगार के मौके बहाल करना हो लक्ष्य

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में प्रकाशित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों में यह बात उभरकर सामने आ रही है कि कोविड-19 की चुनौतियों के बीच भी दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था पटरी पर जल्द आएगी और कोविड-19 के बीच खोए हुए रोजगार अवसर वापस लौटने की संभावनाएं होंगी। रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि आगामी वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की विकास दर में वृद्धि होगी व भारत की कौशल प्रशिक्षित नई पीढ़ी के लिए देश और दुनिया में रोजगार के मौके बढ़ने की संभावनाएं होंगी। वास्तव में कोविड-19 की चुनौतियों के बीच देश में रोजगार अवसरों की संभावनाओं को मुट्ठियों में करने के लिए चार बातों पर ध्यान देना होगा। एक, देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रणनीति से उद्योग-कारोबार में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। दो, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की मुश्किलों को दूर करके रोजगार के खोये हुए मौके वापस लाए जाएं। तीन, श्रम आधारित विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ाया जाए। चार, कौशल प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के मौके उपलब्ध कराए जाएं। पांच, सरकारी नौकरियों में रिक्त पद भरे जाएं। निःसंदेह देश के उद्योग-कारोबार सेक्टर को कम ब्याज दर पर ऋण एवं वित्तीय सुविधा तथा जीएसटी संबंधी रियायत जैसे विभिन्न प्रोत्साहन और सुविधाएं देकर इस क्षेत्र में रोजगार मौके बढ़ाए जा सकते हैं। हाल ही में न्यूयार्क के मैनपॉवर ग्रुप द्वारा प्रकाशित 44 देशों के रोजगार के वैश्विक सर्वेक्षण के मुताबिक कोविड-19 के बीच रोजगार के मामले में सकारात्मक परिवेश दिखाने वाले दुनिया के चार शीर्ष देशों में भारत भी शामिल है। भारत के अलावा केवल जापान, चीन और ताइवान में रोजगार को लेकर सकारात्मक परिदृश्य पाया गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट भविष्य में कोरोना काल के बीच भारत में पांच सेक्टरों माइनिंग, कंस्ट्रक्शन, फाइनेंस, इंश्योरेंस और रियल एस्टेट में नौकरियों के नए रास्ते खुलेंगे। इसी तरह प्रमुख मानव संसाधन कंपनी टीमलीज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश के चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को छोड़कर मेट्रो के रूप में उभरते शहरों में बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद, चंडीगढ़, कोच्चि, कोयम्बटूर, आदि में हेल्थकेयर इंडस्ट्री, फार्मा सेक्टर, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी और रिटेल कम्युनिकेशन कृषि, एग्रोकेमिकल्स, आटोमोबाइल्स और उससे जुड़ी सेवाएं, बीपीओ सेवाएं, निर्माण तथा रियल एस्टेट और एनर्जी क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़ेंगे। ज्ञातव्य है कि करीब 6.30 करोड़ से अधिक विशाल संख्या वाले तथा 12 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले एमएसएमई सेक्टर से कोविड-19 के बीच बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म हुई हैं। यद्यपि इस सेक्टर को बचाने के लिए सरकार द्वारा 13 मई, 2020 को 3 लाख 70 हजार करोड़ रु. के अभूतपूर्व राहतकारी प्रावधान घोषित किए गए हैं। लेकिन ऐसी राहतों के लिए उपयुक्त क्रियान्वयन न होने के कारण एमएसएमई गंभीर चुनौतियों के दौर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। स्थिति यह है कि इस समय देश के कोने-कोने में बड़ी संख्या में एमएसएमई की इकाइयां वित्त की परेशानी के कारण बंद पड़ी हैं। अधिकांश बैंक ऋण डूबने की आशंका के मद्देनजर ऋण देने में उत्साह नहीं दिखा रहे हैं। स्थिति यह है कि एमएसएमई को जुलाई, 2020 के पहले सप्ताह तक करीब 61 हजार करोड़ रु. ही ऋण के रूप में वितरित किया जा सके हैं। एमएसएमई की केंद्र सरकार, विभिन्न केंद्रीय विभागों तथा राज्य सरकारों के पास जो बकाया धनराशि है, उसका भुगतान एमएसएमई को नहीं हो पा रहा है। ऐसे में एमएसएमई में पूर्व में कार्यरत श्रमिक रोजगार के लिए वापस नहीं लौट पा रहे हैं। निःसंदेह कोविड-19 की वजह से पैदा हुए रोजगार संकट को दूर करने के लिए सरकार द्वारा बड़े स्तर पर रोजगार पैदा कर सकने वाली परियोजनाओं के बारे में नए सिरे से सोचने की जरूरत है। नौकरियों एवं आय में चौतरफा गिरावट को देखते हुए ऐसी परियोजनाओं से रोजगार सृजन की दर बढ़ाई जा सकेगी। इसके लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इसका दायरा बढ़ाने और शहरी क्षेत्रों के लिए भी रोजगार अवसरों में वृद्धि करने वाली लोक निर्माण परियोजनाएं जरूरी हैं। 1930 की महा आर्थिक मंदी के समय अर्थशास्त्री किंस ने मंदी का अर्थशास्त्र प्रस्तुत करते हुए लोक निर्माण कार्यों को रोजगार एवं आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण आधार बताया था। इसी तरह 1933 से 1938 के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति फैंकलिन डी रूजवेल्ट के द्वारा चलाए गए इतिहास प्रसिद्ध न्यू डील कार्यक्रम का मकसद भी आर्थिक मंदी के संकट में लोक निर्माण परियोजनाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देना था। यह बात भी उल्लेखनीय है कि 1970 के दशक में भीषण अकाल के समय जब महाराष्ट्र की अधिकांश ग्रामीण आबादी गरीबी की स्थिति में पहुंच गई थी, उस समय महाराष्ट्र में शुरू की गई ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना रोजगार देकर गरीबी दूर करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई थी। निःसंदेह राष्ट्रीय एवं स्थानीय दोनों ही स्तरों पर लोक निर्माण कार्यक्रम इस कोरोना मंदी के समय जरूरी हो गए हैं। ऐसे में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा बुनियादी ढांचे से संबंधित विभिन्न परियोजनाएं प्राथमिकता से शुरू करके रोजगार अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में लोक निर्माण परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार देने के लिए 26 जून को उत्तर प्रदेश सरकार भी आगे बढ़ी है। 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान' के जरिए करीब सवा करोड़ लोगों को विभिन्न परियोजनाओं में रोजगार देना सुनिश्चित किया गया है। देश के विभिन्न राज्यों में भी रोजगार अवसरों के निर्माण के लिए ऐसे अभियानों की जरूरत दिखाई दे रही है। इस समय देश में कौशल प्रशिक्षित युवाओं की मुट्ठियों में रोजगार के मौके बढ़ाने भी जरूरी हैं। देश में पिछले पांच वर्षों में कौशल विकास कार्यक्रम के तहत जिन युवाओं को कौशल प्रशिक्षित किया गया है, उन्हें रोजगार दिलाने के लिए सरकार द्वारा उद्योग-कारोबार के साथ समन्वय स्थापित किया जाना होगा। साथ ही कौशल प्रशिक्षण का अभियान भी बढ़ाया जाना होगा। गौरतलब है कि 15 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व युवा कौशल दिवस और 'कौशल भारत' मिशन की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर कहा कि स्थानीय एवं वैश्विक दोनों ही स्तरों पर भारतीय कौशल प्रशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के मौके बढ़ गए हैं। ऐसे में इन मौकों को मुट्ठियों में करने के लिए रोजगार की नई जरूरतों के मुताबिक प्रासंगिक बने रहना जरूरी है। इसके साथ-साथ नई पीढ़ी में रोजगार मौके बढ़ाने के लिए यह भी जरूरी है कि सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर तत्परता के साथ नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाए। सरकार ने विगत 14 मार्च को संसद में बताया है कि रेलवे, रक्षा, डाक सहित अन्य सरकारी विभागों में करीब 4.76 लाख भर्तियां की जानी हैं। इनमें से यूपीएससी, एसएससी और रेलवे भर्ती बोर्ड के जरिए 1.34 लाख और रक्षा विभाग में 3.4 लाख खाली पदों को भरा जाना है। उम्मीद है कि कोविड-19 की चुनौतियों के बीच एक ओर सरकार खोए हुए रोजगार मौकों को वापस लाने के लिए प्रयास करेगी, वहीं दूसरी ओर देश में रोजगार मौके बढ़ाने के लिए भी हरसंभव प्रयास करेगी।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

आत्म विवेचन

श्रीराम शर्मा आचार्य

आत्म विश्लेषण का अर्थ है प्रवृत्तियों के मूल कारण की तलाश करना अर्थात द्वेषपूर्ण भावनाएं जिस आधार पर उठीं, उस आधार को ढूंढ़ना और उसे नष्ट करना। मनुष्य की सबसे बड़ी भूल है कि जिस वस्तु को चाहता है उसे किसी न किसी भूमिका के साथ टिका देता है। इसी को विचार और कार्यों का पक्षपात कहते हैं। जैसे बीड़ी, सिगरेट, या अन्य कोई मादक पदार्थ सेवन करने वालों की हमेशा दलील रहती है कि उनसे उन्हें शान्ति मिलती है या मानसिक तनाव दूर होता है। कई तो यहां तक कहते हैं कि बीड़ी-सिगरेट न पिएं तो पाचन क्रिया ठीक प्रकार से काम नहीं करती पर कठोरतापूर्वक विचार करें तो स्पष्ट दिखाई देता है कि शराब, सिगरेट के पक्ष में जो दलीलें हैं, वे सर्वथा निस्सार हैं। ये तो मन बहलाव के लिए गढ़ी बातें हैं। वस्तुतः उनसे मानसिक परेशानियां तथा स्वास्थ्य और पाचन प्रणाली में शिथिलता ही आती है। अपने गुण-दोष देखने में जब तक हम ईमानदारी और सच्चा दृष्टिकोण नहीं अपनाते संस्कार परिवर्तन में तभी तक परेशानी रहती है। मनुष्य आत्म दुर्बल तभी तक रहता है जब तक वह आत्म विवेचन का सच्चा स्वरूप ग्रहण नहीं करता। झूठे प्रदर्शनों और स्वार्थपूर्ण आचरण के कारण ही जीवन में परेशानियां आती हैं। सच्चाई की मस्ती ही अनुपम है। उसकी एक बार जो क्षणिक अनुभूति कर लेता है वह उसे जीवनपर्यन्त छोड़ता नहीं। सत्य मनुष्य को ऊंचा उठाता है, परमात्मा के समीप पहुंचा देता है। सत संस्कारों का बल, कुसंस्कारों की अपेक्षा अनंत गुना अधिक होता है किन्तु कुसंस्कारों में जो क्षणिक सुख और तृप्ति दिखाई देती है उसी के कारण लोग दुष्कर्मों की ओर बड़ी जल्दी खिंच जाते हैं। अतएव जब कभी ऐसे अनिष्टकारी विचार मस्तिष्क में उठें तब उनसे भागने का शीघ्र प्रयत्न करना चाहिए। किसी बुराई से डरने या भागने से वह जीवन का अंग बन जाती है किन्तु जब विचारों में मौलिक परिवर्तन करते हैं, बुराई की गहराई तक छानबीन करते हैं तो अन्तःकरण की दिव्य ज्योति के समक्ष सच और झूठ की स्वतः अभिव्यक्ति हो जाती है। आत्मनिरीक्षण के साथ विचार पद्धति शुभ संस्कार बढ़ाने का दूसरा उपाय है। जरूरी है कि जो भी व्यवसाय करें पहले उस पर उस पर अच्छे से इति तक विचार कर लें। उपयोगी दिखाई दे तो उसे प्रयत्नपूर्वक अपने जीवन में धारण करें, अन्यथा उसे त्याग दें।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण की भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें। चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए, पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

आर्थिक-सामरिक मोर्चे पर तैयारी जरूरी

रमेश नैयर

भारत की चौतरफा घेराबंदी के लिए चल रही रणनीति को भेदने के लिए भारत सही समय पर सक्रिय हो गया है। हमारे बाजार में चीनी उत्पादों के आयात पर बड़ा अंकुश लगाया गया है। इस पर अमल शुरू हो गया है। सोशल मीडिया के अघोषित सम्राट 'टिकटाक' पर भारत ने प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार के फैसले सही हैं, फिर भी उनकी सफलता के लिए जन-सहयोग और कुछ वैसी ही चेतना जरूरी है, जो ब्रिटिश राज के दौरान विदेशी उत्पादों की होली जलाने और उनके पूर्ण बहिष्कार की सफलता के लिए पनपी थी। यह तथ्य भी सामने आया है कि चीन चुपचाप काफी समय से भारत की सामरिक घेराबंदी में जुटा हुआ था। दिसम्बर, 1962 में चीन ने हिन्दी-चीनी भाई-भाई के सुखद परिवेश के दौरान आकस्मिक हमला करके भारत के अक्साई चिन के 40 हज़ार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर बलात कब्जा कर लिया था। उसके बाद भारत ने अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी शुरू कर दी थी। सुखद यह भी है कि भारत ने समय रहते भांप लिया कि चीन उसकी सामरिक घेराबंदी में जुटा हुआ है। पाकिस्तान तो मुद्दत से चीन का पिछू बना हुआ है। पहले पाकिस्तान की पूरी निर्भरता अमेरिका पर रहती आई थी। परंतु 1965 और फिर 1971 में भारत पर किए गये हमले में उसे जिस तरह मुंह की खानी पड़ी, उससे हताश होकर इस्लामाबाद ने चीन की शरण में जाना मुनासिब समझा। चीन कितना ही ताकतवर हो लेकिन भारत भी अब 1962 की तरह दीन-हीन नहीं रह गया है। विश्व बिरादरी में भारत एक महाशक्ति बनने की राह पर है। इस बीच चीन ने भारत के कुछ मित्र देशों पर डोरे डालने शुरू कर दिए हैं। हाल ही में उसने ईरान के साथ कुछ करार किए हैं। आतंक को शह देने में सक्रिय पाकिस्तान पूरी तरह चीन की शरण में जा चुका है। भारत संगीन होते हालात से अनजान नहीं है। अमेरिका भी चीन की हसरतों पर पैनी नज़र रखे हुए है। वह भारत की मदद के लिए भी तैयार मालूम होता है। भारत को इस समय महाशक्ति अमेरिका की मदद की जरूरत भी है, फिर भी वह अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति को बनाए रखने के प्रयास कर रहा है। अपने परीक्षित मित्र रूस से भारत रिश्तों को कमजोर नहीं होने देना चाहता। पिछले दिनों रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपनी तीन दिन की मास्को यात्रा के दौरान रूसी उपप्रधानमंत्री यूरी बोरिसोव से मुलाकात की जो सार्थक रही। रूस ने भारत को शीघ्र ही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की सप्लाई करने का संकेत दिया। यह मिसाइल एफ-35 जैसे संहारक सामरिक विमान को भी नष्ट कर सकता है। इन स्थितियों में भारत के लिए अमेरिका से सामरिक सहयोग और मैत्री की जरूरत बढ़ गई है। स्वयं अमेरिका भी इसके लिए तैयार मालूम हो रहा है। दक्षिण चीन सागर में अमेरिका ने भारत की मदद करने और चीन को सबक सिखाने की तत्परता दिखाई है। दक्षिण चीन सागर में अमेरिका के दावे को चीन द्वारा खारिज किए जाने से दोनों महाशक्तियों में कटुता बढ़ी है। इस बीच अमेरिका ने हांगकांग पर थोपे विवादास्पद कानून को नामंजूर करके चीन को एक बड़ा झटका दिया है। चीन सदा हांगकांग पर दावा करता रहा है, जबकि अमेरिका ने दो टूक कह दिया है कि वह एक स्वायत्त देश है। फिर चीन ने सीधे टकराने के बजाय अपने छोटे सहयोगियों को भारत के खिलाफ उकसाने का जाल बुना। सदियों से भारत का आत्मीय मित्र रहा नेपाल उसके झांसे में आ गया। चीन से प्रभावित नेपाल की मार्क्सवादी सरकार ने लिपुलेख और कालापानी को अपने देश का हिस्सा बता कर जो सीमा विवाद खड़ा किया है, उससे नेपाली जनता का एक वर्ग भी सहमत नहीं है। इस सीमा विवाद के अंकुर तब निकले जब भारत ने चीनियों की घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर एक सड़क के निर्माण का निर्णय लिया। मार्च, 2020 के आरंभ में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जब उस सड़क का उद्‌घाटन किया, तब तक सब ठीक-ठाक था। उसके बाद अचानक नेपाल सरकार ने सीमा विवाद खड़ा कर दिया। समझा जाता है ऐसा नेपाल में चीन के उकसावे पर किया। अमेरिका अगले वर्ष तक पाकिस्तान को परिष्कृत डीजल-इलेक्ट्रिक से चलित पनडुब्बियां चीन से मिल सकती हैं। फिर भी इन सबसे पार पाने की क्षमता भारत ने पहले ही हासिल कर ली है। जहां तक युद्ध में संहारक आयुध हासिल करने का सवाल है, भारत के पास मौजूदा हालात में भरोसेमंद महाशक्ति अमेरिका उपलब्ध है। भारत से सहयोग के लिए जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस सहित अनेक शक्तिशाली यूरोपीय देश तैयार है। हाल ही में अमेरिकी विदेश सचिव माइक पोम्पियो ने खुल कर भारत की विश्वसनीयता और सामरिक क्षमता की तारीफ की। वस्तुस्थिति यह है कि चीन के खाते में भारत के इकतरफा आयात से जो भारी-भरकम विदेशी मुद्रा पहुंचती है, उसे अमेरिका और यूरोपीय देशों से परस्पर व्यापारिक रिश्ते बनाकर संतुलित किया जा सकता है।

भारत 27 जुलाई को बांग्लादेश को सौंपेगा 10 बॉडगेज डीजल इंजन

नई दिल्ली। भारत सोमवार यानी 27 जुलाई को बांग्लादेश को 10 ब्रॉडगेज डीजल इंजन सौंपेगा। रेलवे ने एक बयान में शनिवार को इसकी जानकारी दी। बयान के मुताबिक, इस कार्यक्रम में दोनों देशों के वरिष्ठ गणमान्य लोगों के उपस्थित रहने की उम्मीद है। बांग्लादेश को इंजन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सौंपे जायेंगे। बयान में कहा गया कि गणमान्य लोगों में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों, रेल मंत्रियों तथा उच्चायुक्तों, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीमा के दोनों ओर के स्थानीय स्टेशनों के अन्य अधिकारी शामिल हैं। भौतिक रूप से इंजनों का आदान-प्रदान पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में पूर्वी रेलवे के गेडे स्टेशन और बांग्लादेश की तरफ दर्शना स्टेशन पर होगा। बांग्लादेश ने इन इंजनों की खरीद के लिये पिछले साल अप्रैल में भारत को एक प्रस्ताव भेजा था। बांग्लादेश को दिये जा रहे 33 सौ हॉर्सपावर वाले डब्लूडीएम 3 डी लोको इंजनों की उम्र 28 साल या उससे अधिक है। इन्हें 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के लिये डिजाइन किया गया है। ये माल ढुलाई के साथ-साथ यात्री गाड़ियों के लिये उपयुक्त हैं और इनमें माइक्रोप्रोसेसर आधारित नियंत्रण प्रणाली है।

गति ने शशि किरण शेट्टी को चेयरमैन नियुक्त किया

मुंबई। एक्सप्रेस लॉजिस्टिक (रसद) कंपनी गति ने ऑल कार्गो लॉजिस्टिक्स के संस्थापक-चेयरमैन शशि किरण शेट्टी को विलय के बाद सामने आयी इकाई का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। ऑल कार्गो ने खुली पेशकश के जरिये हैदराबाद की कंपनी गति की 46.83 प्रतिशत हिस्सेदारी का अप्रैल में 416 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया था । शेट्टी की नियुक्ति गैर-कार्यकारी चेयरमैन के एल चुग के 24 जुलाई को पद छोड़ने के बाद की गयी है। ऑलकार्गो ने शनिवार को बयान में कहा कि इस कदम से एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स कंपनी के बदलाव में तेजी आयेगी। गति के निदेशक मंडल में पहले से ही स्वतंत्र निदेशक के रूप में ऑलकार्गो के संयुक्त प्रबंध निदेशक आदर्श हेगड़े और मुख्य निवेश अधिकारी जतिन चोकशी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 2023 तक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स उद्योग के 48 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है।

कोरोना कालः बोइंग विमानों के इंजन फेल होने का खतरा, कंपनी ने दिए जांच के आदेश

बिजनेस डेस्क। दुनिया में पैसेंजर्स सर्विसिज के लिए सबसे ज्यादा यूज होने वाले विमान बोइंग 737 में खराबी का अंदेशा है। कोरोना वायरस के चलते दुनियाभर में फ्लाइट्स पर बैन लगा है। विमान या तो बहुत कम यूज हुए या फिर रखे ही रहे। इससे उनमें तकनीकी खराबी का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी एयरलाइन रेगुलेटर ने सभी बोइंग 737 के इंस्सपेक्स्शन का निर्देश दिया है। कंपनी ने खुद कहा है कि एयरलाइंस इंजन वॉल्सव की जांच करें कि कहीं उसमें जंग तो नहीं लग गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अगर कोई खराबी मिलती है तो बोइंग इंस्सपेक्स्शन और रिप्लेसमेंट इंफॉर्मेशन देगी। बोइंग ने 737 क्स्लासिक (सीरीज -300 -500) और नेक्स्स्ट-जेन 737 (सीरीज -600 -900) के लिए एडवायजरी जारी की है। कंपनी ने इंजन वॉल्सव में जंग की जांच करने को कहा है। कंपनी का कहना है कि कोविड 19 के चलते कम डिमांड की वजह से विमान स्सटोर किए गए या फिर कम यूज हुए, इनसे वॉल्सव में जंग लगने का डर है। स्न ने जो निर्देश जारी किए हैं, उसमें कहा गया है कि विमानों को लंबे वक्सत तक रखने के चलते दोनों इंजन के पावर खोने का खतरा है। स्न ने कहा है कि अगर जंग मिलती है तो एयरक्राफ्ट को सर्विस में वापस लाने से पहले वॉल्सव को बदलना होगा। डायरेक्सटरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने स्पाइसजेट, विस्सतारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस से है ।

भारत-ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते की ओर बढ़ाए कदम, दोनों देशों के आर्थिक रिश्ते होंगे मजबूत

नई दिल्ली । भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार करार (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को और मजबूत किया जा सकेगा। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस से हुई 14वीं संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति (जेईटीसीओ) की बैठक में इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री एलिजाबेथ ट्रूस ने की। इस बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा ट्रूस के विभाग के उपमंत्री रानिल जयवर्द्धने भी उपस्थित थे। बैठक में गोयल और ट्रूस ने एफटीए करार के लिए बातचीत करने की प्रतिबद्धता जताई। मंत्रालय ने बयान में कहा कि इसी के मद्देनजर इस बात पर सहमति बनी है कि पुरी और जयवर्द्धने के बीच मासिक बैठकें होंगी तथा करार पर बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। मुक्त व्यापार करार के तहत व्यापार में दो भागीदार देश आपसी व्यापार वाले उत्पादों पर आयात शुल्क में अधिकतम कटौती करते हैं।

बयान में कहा गया है कि बैठक में जीव विज्ञान और स्वास्थ्य, आईसीटी तथा खाद्य पर गठित संयुक्त कार्यसमूहों ने अपनी सिफारिशें मंत्रियों को सौंपी। भारत और ब्रिटेन के बीच 2019-20 में द्विपक्षीय व्यापार 15.5 अरब डॉलर रहा। 2018-19 में यह 16.87 अरब डॉलर रहा था।

पड़ोसी देशों से सार्वजनिक खरीद पर रोक स्वागतयोग्य, बाद की स्थिति के लिये तैयार रहे भारतः आईईईएमए

मुंबई। उद्योग संगठन आईईईएमए ने भारत के साथ जमीनी सीमा से जुड़े देशों के लिये सार्वजनिक खरीद में बोली लगाने पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। हालांकि, उसने इसके साथ ही यह भी कहा कि देश को कम से कम समय में इसके परिणाम और इसकी कीमत चुकाने के लिये तैयार रहना चाहिये। आईईईएमए इलेक्ट्रिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माताओं का सर्वोच्च निकाय है। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच केंद्र सरकार ने भारत के साथ जमीनी सीमा से जुड़े चीन व अन्य पड़ोसी देशों की कंपनियों के लिये सार्वजनिक खरीद बोली में भाग लेने को लेकर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगा दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सरकार ने भारत की सुरक्षा और रक्षा के आधार पर भारत की भू-सीमा के साथ लगते देशों से बोली लगाने पर प्रतिबंध लगाने के लिये सामान्य वित्तीय नियम 2017 में संशोधन किया है। भारतीय विद्युत उपकरण उद्योग में प्रभावी रूप से सेवा मुहैया कराने और न केवल भारतीय उद्योग और लागत प्रतिस्पर्धिता है। ।

एशियन पेंट्स का शुद्ध लाभ पहली तिमाही 67.32प्रतिशत गिरा

asianpaints

नई दिल्ली । एशियन पेंट्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही 67.32 प्रतिशत घटकर 219.61 करोड़ रुपए रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 672.09 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी जानकारी में कंपनी ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आय 42.74 प्रतिशत घटकर 2,922.66 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की इसी अवधि में यह आंकड़ा 5,104.72 करोड़ रुपए था। एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सायंगल ने कहा, ''अप्रैल में लॉकडाउन के वजह से साज-सज्जा पूरा कारोबार ठप रहा। इसके अगले दो महीने में सुधरने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि तिमाही परिणाम बुरे रहे हैं। लेकिन जून 2020 में कारोबारमें दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी का कुल व्यय समीक्षावधि में 2,649.71 करोड़ रुपए रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 4,165.19 करोड़ रुपए के व्यय से 36.38 प्रतिशत कम है।

कारखानों में गतिविधियां क्षमता के अनुरूप नहीं बढ़ीं तो बढ़ सकती है खुदरा महंगाईः विशेषज्ञ

नई दिल्ली। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि लॉकडाउन में काफी कुछ ढील दिए जाने के बावजूद कल-कारखानों में गतिविधियां उनकी क्षमता के अनुरूप शुरू नहीं हो पाई हैं। ऐसे में मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं बढ़ने से रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों के दाम बढ़ सकते हैं और खुदरा महंगाई सात प्रतिशत से भी ऊपर निकल सकती है। जून, 2020 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 6.09 प्रतिशत रही। हालांकि, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े बाजार से जुटाए गए सीमित आंकड़ों पर आधारित हैं। कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन की वजह से व्यापक स्तर पर आंकड़े नहीं जुटाये जा जा सके। वहीं थोक मुद्रास्फीति जून माह में शून्य से 1.81 प्रतिशत नीचे रही लेकिन यह इससे एक माह पहले की तुलना में तेजी से उछली है। मई में यह शून्य से 3.21 प्रतिशत नीचे थी। बेंगलूरु के डॉ. बी. आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के कुलपति, प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति ने महंगाई के परिदृश्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे लगता है खुदरा मुहंगाई 7 से 7.5 प्रतिशत तक जा सकती है। हाल में सरकार ने जितने भी वित्तीय समर्थन के उपाय किये हैं वे सभी मांग बढ़ाने वाले हैं। इन उपायों के अमल में आने से मांग बढ़ेगी। इस मांग को पूरा करने के लिये यदि उसके अनुरूप आपूर्ति नहीं बढ़ी तो महंगाई बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यदि कच्चे तेल के दाम बढ़े तो महंगाई का आंकड़ा 8 प्रतिशत तक भी जा सकता है। फल, सब्जी, ईंधन की लागत बढ़ सकती है।

इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन कम्पलेक्स चॉइसेज (आईएएससीसी) के प्रोफेसर और सह-संस्थापक अनिल कुमार सूद ने भी कुछ इसी तरह के विचार व्यक्त किए। सूद ने कहा, ''महंगाई का आंकड़ा सात प्रतिशत के आसपास रह सकता है। इसमें कमी की संभावनायें कम ही हैं। कच्चे तेल का दाम बढ़ने से पेट्रोल, डीजल के दाम हाल में काफी बढ़े हैं। दाल, खाद्य तेल का आयात भी बढ़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरने से आयात महंगा होता है। दूरसंचार और परिवहन की लागत बढ़ी है। आपूर्ति श्रृंखला अभी पूरी तरह से पटरी पर नहीं लौटी है। कोरोना वायरस का प्रभाव बना हुआ है। हालांकि, लोग जागरूक हो रहे हैं, फिर भी इस पर अभी ध्यान देने की जरूरत है। वहीं, पीएचडी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल के अर्थशास्त्री एस.पी. शर्मा ने भी कहा कि कल-कारखानों में फिलहाल क्षमता इस्तेमाल 50 से 55 प्रतिशत के बीच ही हो रहा है। आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह से सामान्य नहीं है। हालांकि, कृषि क्षेत्र यानी खाद्यान्न के मामले में उत्पादन की समस्या नहीं होनी चाहिये। रबी में फसल अच्छी रही है खरीफ में भी अच्छी रहने की संभावना है।

महानगर गैस ने सीएनजी का दाम एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाया

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी महानगर गैस लिमिटेड ने संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमत में शनिवार को एक रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली बढ़ोतरी करने की घोषणा की। इस वृद्धि के बाद मुंबई एवं इसके आसपास के इलाकों में सीएनजी की कीमत बढ़कर 48.95 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी है। बढ़ी दरें तत्काल प्रभावी हो गयी हैं। कंपनी ने बयान में कहा, ''डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट तथा महामारी की वजह से कम बिक्री से हो रहे नुकसान की आंशिक भरपाई करने के लिये हम आज (शनिवार) से सीएनजी का दाम एक रुपये प्रति किलो बढ़ाने पर बाध्य हुए हैं।'' हालांकि इस वृद्धि के बाद भी डीजल और पेट्रोल की तुलना में सीएनजी से वाहन चलाना सस्ता बैठेगा। कंपनी ने सीएनजी से वाहन चलाने पर क्रमशः करीब 60 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की बचत होगी।

संकट के बीच अच्छी खबर, मई में ईएसआईसी की योजनाओं से जुड़े 4.63 लाख सदस्य

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employees' State Insurance Corporation
क.रा.बी.नि.
ESIC

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से इस साल मई में करीब 4.63 लाख नए सदस्य जुड़े। अप्रैल में यह संख्या 2.55 लाख थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार ईएसआईसी की योजना में मार्च में 8.21 लाख नये सदस्य से जुड़े थे। फरवरी में यह संख्या 11.83 लाख थी। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए देश में 25 मार्च से 'लॉकडाउन% लगाया गया था। एक जून से धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था को खोला जा रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट के अनुसार ईएसआईसी के पास 2019-20 में पंजीकृत नए अंशधारकों की संख्या 1.51 करोड़ रही जबकि इससे पूर्व वित्त वर्ष में यह 1.49 करोड़ था। सितंबर 2017 से मार्च 2018 के दौरान 83.35 लाख नए अंशधारक ईएसआईसी योजना से जुड़े। रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2017 से मई 2020 के दौरान ईएसआईसी के पास पंजीकृत सकल रूप से जुडे नए अंशधारकों की संख्या 3.91 करोड़ रही। एनएसओ रिपोर्ट ईएसआईसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े नए अंशधारकों के आंकड़े पर आधारित है। इन संगठनों के आंकड़े अप्रैल 2018 से जारी किया जा रहा है। इसमें सितंबर 2017 की अवधि को लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ के पास मई में 3.18 लाख पंजीकरण हुए। जबकि अप्रैल में यह संख्या एक लाख थी। मई में जारी रिपोर्ट के अनुसार नए सदस्यों का पंजीकरण मार्च, 2020 में घटकर 5.72 लाख रहा जो फरवरी में 10.21 लाख था। रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में ईपीएफओ के नए अंशधारकों की संख्या बढ़कर 78.58 लाख रही जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 61.12 लाख थी। आंकड़े के अनुसार सितंबर, 2017 से मई 2020 के दौरान सकल रूप से करीब 3.38 नये अंशधारक ईपीएफओ की योजना से जुड़े। मई 2020 के दौरान सकल रूप से करीब 3.38 नये अंशधारक ईपीएफओ की योजना से जुड़े। एनएसओ ने कहा कि रिपोर्ट संगठित क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न दृष्टिकोण को बताता है और समग्र रूप से रोजगार को आकलन नहीं करता।

ई-कॉमर्स कंपनियों को बताना होगा 'कंट्री ऑफ ऑरिजिन', सरकार ने जारी किया नॉटिफिकेशन

नई दिल्ली। सरकार ने ई-वाणिज्य कंपनियों के लिए नए नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसमें अन्य बातों के अलावा अपने उत्पादों पर 'उत्पति वाले देश का नाम देना शामिल हैं। नियमों का अनुपालन नहीं करना दंडनीय अपराध है। उपभोक्ता संरक्षण (ई-वाणिज्य) नियम, 2020 को बृहस्पतिवार को अधिसूचित कर दिया गया। नया नियम भारत या विदेश में पंजीकृत लेकिन भारतीय ग्राहकों को सामान और सेवाएं देने वाले सभी इलेक्ट्रॉनिक खुदरा बिक्रेताओं पर लागू होगा। नए नियमों के अनुसार ई-वाणिज्य कंपनियों को बिक्री के लिए रखे गए सामानों और सेवाओं की कुल कीमत के साथ अन्य शुल्कों का पूरा ब्योरा देना होगा। साथ ही उन्हें यह भी बताना होगा कि वस्तु की मियाद कब समाप्त होगी यानी यानी उसकी 'एक्सपायरी तारीख क्या है।इसके अलावा वस्तु और सेवाओं की उत्पत्ति किस देश में हुई, इसके बारे में भी प्रमुखता से जानकारी देनी होगी ताकि ग्राहक समान या सेवाएं खरीदने से पहले पूरी जानकारी के साथ निर्णय कर सके। नयमों के तहत ई-वाणिज्य कंपनियों को रिटर्न, रिफंड, समान को बदलने, वारंटी और गारंटी, आपूर्ति तथा अन्य सूचनाएं देनी होगी जो ग्राहकों के लिए।

होंडा ने बनाया नया रिकॉर्ड, घरेलू बाजार में 11 लाख से अधिक दोपहिया वाहन बेचे

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने घरेलू बाजार में अब तक 11 लाख से अधिक बीएस-6 दोपहिया वाहन की बिक्री की है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 के अंत तक कंपनी ने 6.5 लाख से अधिक बीएस-6 दोपहिया वाहन की बिक्री की थी। होंडा मोटरसाइकिल के बिक्री और विपणन निदेशक यदविंदर सिंह गुलेरिया ने एक बयान में कहा, 'होंडा में यह हमारे लिए गर्व का मौका है। हमने 11 लाख से अधिक बीएस-6 वाहनों की बिक्री की है। होंडा ने देश में लोगों का भरोसा जीता है।' उन्होंने कहा कि कंपनी के दोपहिया वाहनों में 110 सीसी इंजन क्षमता वाले स्कूटरों से लेकर 1,100 सीसी इंजन क्षमता वाली प्रीमियम मोटरसाइकिल तक हैं। गुलेरिया ने कहा हमारे प्रोडक्ट में हम हमेशा कुछ नया करते हैं, 110सीसी स्कूटर और 1100सीसी तक प्रीमियम एडवेंचर बाइक है। कंपनी लॉकडाउन के बाद से ही अपने वाहन पर कई तरह के आफर्स की पेशकश कर रहा है। वर्तमान में 11 टाइप के बीएस-6 वाहन मार्केट में ला रहा है। इसमें एक्टिवा 125, ग्राज़िया 125, सीडी 110, लिवो, एक्स-ब्लेड और हाल ही में लॉन्च 2020 अफ्रीका ट्विन एडवेंचर स्पोर्ट्स शामिल हैं।

इस पूरी रेंज में चार ऑटोमैटिक स्कूटर, छह मोटरसाइकिल और 1100सीसी एडवेंचर बाइक शामिल हैं। होंड़ा अपने व्हीकल पोर्टफोलियो पर कई तरह के ऑफर दे रही है। इन ऑफर में कंपनी इजी श्वस्ङ्क से लेकर लोअर डाउन पेमेंट और कैशबैक तक के ऑफर्स दे रही है।

वित्तीय प्रणाली मजबूत, जरूरत से ज्यादा सतर्कता ठीक नहीं : दास

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा है कि देश की वित्तीय प्रणाली मजबूत है, लेकिन बैंकों को कोविड-19 महामारी और उसके बाद के दौर में जोखिम से बचने के लिए जरूरत से ज्यादा सतर्कता नहीं ओढ़नी चाहिए। द्विवार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) की प्रस्तावना में दास ने लिखा है कि बैंकों और वित्तीय बाजार इकाइयों के लिए इस समय शीर्ष प्राथमिकता अपने पूंजी के स्तर को बढ़ाने तथा मजबूत करने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'बदलते परिवेश में जोखिम प्रबंधन मजबूत होना चाहिए, लेकिन जोखिम से दूरी बनाने के जरूरत से अधिक प्रयासों के नतीजे सभी के लिए प्रतिकूल रहेंगे।' दास का यह बयान ऐसे समय आया है जबकि ऋण की वृद्धि में गिरावट आई है। गवर्नर ने कहा, 'भारत की वित्तीय प्रणाली मजबूत है, लेकिन मौजूदा वातावरण में यह भी जरूरी है कि वित्तीय बाजार इकाइयों आगे बढ़कर अपनी पूंजी की स्थिति को बेहतर और मजबूत करें। यह उनके लिए शीर्ष प्राथमिकता है।' उन्होंने कहा कि कंपनियों, निवेशकों और उपभोक्ताओं का भरोसा कायम करने के लिए वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता सबसे अनिवार्य है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमें निगरानी रखनी होगी और केंद्रित रहना होगा। दास ने कहा कि विभिन्न देशों की सरकारों, केंद्रीय बैंकों तथा सार्वजनिक एजेंसियों ने वित्तीय दबाव को समाप्त करने के लिए समन्वित प्रयास किए और भरोसा कायम किया। इन उपायों से वित्तीय प्रणाली और बाजारों में स्थिरता कायम हुई। हालांकि, उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रणाली और बाजारों का परिदृश्य काफी अनिश्चित है। महामारी के दौरान शेयर बाजारों में जोरदार उछाल का उल्लेख करते हुए दास ने कहा कि वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट ऐसे समय जारी हुई है कि जबकि वित्तीय बाजारों के कुछ खंडों तथा वास्तविक क्षेत्र की गतिविधियों में तालमेल टूटता जा रहा है। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा, ''भारत में यह महामारी वृद्धि दर में गिरावट के दौर में आई है। वैश्विक स्तर पर इसके फैलाव से मांग और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति और खराब हुई है।'' हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रव्यापी बंद के बाद धीरे-धीरे स्थिति में सुधार के संकेत दिखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि आगे चलकर चुनौती वित्तीय प्रणाली की दीर्घावधि की स्थिरता को कायम रखने की होगी। पुनरोद्धार के लिए यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोविड से बाद की दुनिया में पिछले कुछ माह के दौरान दी गई ।

जियो के 16 लाख ग्राहक बढ़े,एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया के करीब एक करोड़ घटे

नई दिल्ली। विश्व के पांचवे सबसे बड़े धनकुबेर मुकेश अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने घरेलू मोबाइल फोन सेवा बाजार में अपनी जड़ें और मजबूत करते हुए अप्रैल माह में करीब 16 लाख नए उपभोक्ता जोड़े जबकि भारती एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया को माह के दौरान मिलाकर लगभग एक करोड ग्राहक खोने पड़े हैं। जियो एकमात्र कंपनी रही जिसके ग्राहक बढ़े। बीएसएनएल के भी माह में 20 हजार ग्राहक कम हुए हैं। दूरसंचार क्षेत्र की नियामक संस्था भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के शुक्रवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में मोबाइल सेवा के 82,31,591 ग्राहक घटे। अप्रैल में जियो ने 15,75,333 ग्राहक जोड़कर 38,90,92,136 उपभोक्ताओं और 33.85 प्रतिशत बाजार हिस्से के साथ पहले नंबर पर अपने को और मजबूत किया। भारती एयरटेल ने अप्रैल में सर्वाधिक 52,69,882 ग्राहक खोए और कुल 32,25,43,99 उपभोक्ताओं यानी 28.06 फीसदी शेयर के साथ दूसरे नंबर पर रही। तीसरे नंबर की वोडाफोन आइडिया को अप्रैल में भी तगड़ा झटका लगा। उसके 45,16,866 ग्राहक टूटे और 31,46,51,748 उपभोक्ता और 27.07 प्रतिशत बाजार हिस्सा रह गया। कंपनी को मार्च में इससे भी तगड़ा झटका लगा था और उसके 63,53,200 ग्राहक कम हुए। बीएसएनएल 10.43 प्रतिशत बाजार शेयर अर्थात चौथे नंबर पर रही। बीएसएनएल के साथ मार्च में कुल 95,428 ग्राहक जुड़े थे जबकि अप्रैल में उसने भी 20,053 ग्राहक खोए।

उर्जित पटेल की किताब ने खोले कई राज, बताया- किस बात पर थी सरकार से अनबन

बिजनेस डेस्क। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल ने खुलासा किया है कि वह जब गवर्नर के पद पर थे तो किस बात को लेकर सरकार के साथ अनबन हुई थी। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने उस वक्त बैंकरप्सी लॉ के नियमों को ढीला करने का आदेश दिया था जिसपर पटेल राजी नहीं थे और यहीं से सरकार के साथ गवर्नर का मतभेद शुरू हो गया। सितंबर 2016 से लेकर दिसंबर 2018 तक के गवर्नर पद पर रहे पटेल ने ये बात अपनी नई किताब जिसमें उन्होंने किसी का नाम तो नहीं लिखा, लेकिन 2018 के मध्य के जिस वक्त की बात वह कर रहे हैं, वह वो दौर था जब पीयूष गोयल को कुछ वक्त के लिए वित्त मंत्री का कार्यभार सौंपा गया था। ये वक्त था मई 2018 से लेकर अगस्त 2018 के बीच का। पटेल ने अपनी किताब में लिखा है कि 2018 के मध्य में दिवालिया मामलों के लिए नरमी वाले फैसले लिए गए, जब अधिकतर कामों के लिए वित्त मंत्री और उर्जित पटेल मामलों से जुड़ी बातों को लेकर एक ही लेवल पर थे। मई 2018 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली दिवालिया कानून का नेतृत्व कर रहे थे, लेकिन बीमारी की वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और तत्कालीन ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल को वित्त मंत्री का कार्यभार सौंप दिया गया। 2018 में पीयूष गोयल ने मीडिया से बात करते हुए कहा सर्कुलर में नरमी लाने की बात कही और बोले कि किसी भी लोन को 90 दिनों के बाद एनपीए नहीं कहा जा सकता। उन्होंने बताया कि आरबीआई चाहता था कि बैंकरप्सी कानून को सख्त बनाया जाए ताकि भविष्य में जो कंपनियां डिफॉल्ट करने की फिराक में हों उन्हें सबक मिले। फरवरी 2018 में आरबीआई की तरफ से एक सर्कुलर जारी किया गया था। इसमें कहा गया था कि जो भी लेनदार राशि नहीं चुका रहा है ।

उन्हें डिफॉल्टर्स की लिस्ट में डाला जाए। इसके अलावा सर्कुलर में यह भी कहा गया था कि जो कंपनी डिफॉल्ट कर जाएगी उसके प्रमोटर इनसॉल्वेंसी ऑक्शन के दौरान कंपनी में हिस्सेदारी बायबैक नहीं कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2021 जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कम दर्शकों के सामने होगा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने जैव सुरक्षित वातावरण में कम दर्शकों के साथ 2021 टूर्नामेंट की मेजबानी करने की योजना बनायी है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी क्रेग टीले ने कहा कि 2021 के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए जरूरी योजना बनाने में मदद के लिए यूएस ओपन और स्थगित फ्रेंच ओपन के आयोजन को करीब से देखेंगे। टीले ने कहा कि जनवरी में होने वाले टूर्नामेंट का खाका पहले ही तैयार कर लिया गया है। टीले ने शनिवार को द एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'हमने कई विकल्पों के साथ जाने का इस सप्ताह फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'पिछले साल रिकार्ड 8,21,000 संख्या में दर्शक आये थे जो अगले टूर्नामेंट में नहीं होगा। मेलबर्न और विक्टोरिया राज्य के दर्शकों को अनुमति होगी। अगर सीमा से प्रतिबंध हट गया तो शायद न्यूजीलैंड के दर्शकों को छूट दी जा सकती है।

इंटरनेशनल शतरंज

लिजेंड्स ऑफ चैस - विश्वनाथन आनंद

ब्लादिमीर क्रामनिक से हारे

नॉर्वे । लिजेंड्स ऑफ चैस इंटरनेशनल शतरंज में लगातार तीसरे राउंड मे विश्वनाथन आनंद को हार का सामना करना पड़ा है । पीटर स्वीडलर और मेगनस कार्लसन के बाद तीसरे राउंड मे 5 बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद को रूस के पूर्व विश्व चैम्पियन ब्लादिमीर क्रामनिक नें 2.5-0.5 के बड़े अंतर से पराजित कर दिया । दोनों के बीच तीन मुकाबलों मे ही दो जीत और एक ड्रॉ से परिणाम क्रामनिक के पक्ष मे रहा । यहाँ पर यह कहना भी सही होगा की आनंद का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है । क्रामनिक के साथ पहले मुकाबले मे सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए आनंद नें फ्रेंच डिफ़ेंस के खिलाफ अच्छा खेल दिखाते हुए बाजी लगभग जीत ली थी पर एक बार फिर अंत समय मे समय के दबाव मे उनसे गलतियाँ हुई और क्रामनिक जीत गए । देखे पहले मैच का विडियो विश्लेषण - हिन्दी चेसबेस इंडिया के सौजन्य से इसका असर अगले खेल मे भी दिखा जहां काले मोहरो से आनंद इंग्लिश ओपनिंग मे 32 चालों मे मुकाबला हार गए ।तीसरे मुकाबले मे सफ़ेद मोहरो से आनंद नें इटेलिअन ओपनिंग मे ज़ोर तो लगाया पर मुकाबला 4तीसरे मुकाबले मे सफ़ेद मोहरो से आनंद नें इटेलिअन ओपनिंग मे ज़ोर तो लगाया पर मुकाबला 4 तीसरे मुकाबले मे सफ़ेद मोहरो से आनंद नें इटेलिअन ओपनिंग मे ज़ोर तो लगाया पर मुकाबला 40 चालों मे ड्रॉ रहा । तीसरे राउंड के अन्य परिणामो मे रूस के इयान नेपोनियची ने नीदरलैंड के अनीश गिरि को ,विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें हंगरी के पीटर लेको को ,रूस के पीटर स्वीडलर ने इज़राइल के बोरिस गेलफंड को तो चीन कें डिंग लीरेन को मात दी । तीन राउंड के बाद कार्लसन और स्वीडलर 9 अंक बनाकर पहले स्थान पर चल रहे है ।

140 किलो के भारी भरकम विंडीज खिलाड़ी ने पकड़ा शानदार कैच

स्पोर्ट्स डेस्क। ओली पोप नाबाद 91 की बेहतरीन पारी और उनकी विकेटकीपर जोस बटलर नाबाद 56 के साथ पांचवें विकेट के लिए 136 रन की अविजित साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को चार विकेट पर 258 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। ऐसे में विंडीज के आलराउंडर खिलाड़ी रहकीम कॉर्नवाल ने स्लिप्स में शानदार कैच पकड़ा। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, सीरीज निर्णायक मैच में रोस्टन चेस गेंदबाजी कर रहे थे और बल्लेबाज रोरी बर्न्स का शानदार कैच लपका। बता दें, बर्न्स 57 रनों पर बल्लेबाजी कर रहे थे और तभी उनके बल्ले से लग कर गई गेंद को रखीम ने जगह पर खड़े-खड़े ही लपक लिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। गौर हो कि पोप ने कुछ आकर्षक शॉट लगाये और जैसन होल्डर पर अपने छठे चौके से अर्धशतक पूरा किया जबकि पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिये जूझ रहे बटलर ने राहकीम कोर्नवॉल के एक ओवर में दो छक्के जड़कर अपना आत्मविश्वास जगाया। उन्होंने इसके बाद पिछले साल सितंबर के बाद अपना पहला अर्धशतक भी पूरा किया जो टेस्ट मैचों में उनका 16वां पचासा है। खराब रोशनी के कारण जब पहले दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब तक इन दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 136 रन जोड़े थे। इन दोनों ने तीसरे सत्र में वेस्टइंडीज को एक भी सफलता नहीं मिलने दी जिसने पहले दो सत्र में दो-दो विकेट लेकर इंग्लैंड को दबाव में ला दिया था। इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज डॉम सिबले (शून्य) और रूट (17) के विकेट पहले सत्र में जबकि दूसरे टेस्ट मैच में 176 और नाबाद 78 रन की पारी खेलने वाले बेन स्टोक्स (20) और बर्न्स के विकेट दूसरे सत्र में गंवाये।

चार-पांच महीने के बाद वापसी कर प्रदर्शन करना मुश्किल होगा: पूनम यादव

नयी दिल्ली। इंग्लैंड दौरे के रद्द होने के कारण अभ्यास से वंचित रहने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर पूनम यादव ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण लंबे समय से क्रिकेट से दूर रहने के कारण विश्व कप में खेलना काफी मुश्किल होगा। विश्व कप से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पास बड़े टूर्नामेंट के रूप में सिर्फ इंग्लैंड दौरा था लेकिन कोविड-19 के कारण इस सप्ताह उसे रद्द कर दिया गया। पूनम ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' अगर आप चार-पांच महीने के बाद मैदान पर उतरते हैं, तो किसी भी खिलाड़ी के लिए तुरंत प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा, '' हम खुद को फिट रख रहे हैं और जब हमें समूह में फिर से अभ्यास करने की अनुमति मिलेगी , तब हमें पूरी फिटनेस हासिल करने में 20-25 दिन लगेंगे।'' पूनम ने मार्च में मेलबर्न क्रिकेट मैदान में टी20 विश्व कप का फाइनल खेलने के बाद पूरी तरह से क्रिकेट की सुविधा वाला मैदान नहीं देखा है। अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले प्रस्तावित इकलौता टूर्नामेंट के रद्द होने से इस बात की संभावना है कि वह इस साल अब कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सकें। न्यूजीलैंड में 2021 फरवरी-मार्च में होने वाले विश्व कप के भाग्य का फैसला अगले दो सप्ताह में हो सकता है। पिछले विश्व कप की उपविजेता भारतीय टीम को उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड में खिताबी सूखे को खत्म कर सकेगी । विश्व कप से पहले किसी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेने से हालांकि यह काफी मुश्किल होगा। भारत की तरफ से 46 एकदिवसीय और 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाली पूनम ने कहा, ''यह एक बड़ी चुनौती है। मैं यहां गेंदबाजी कर रही हूं लेकिन यह प्रतिस्पर्धी माहौल से बिल्कुल अलग है। हम आखिरी बार मार्च में खेले थे और हमारी अगली श्रृंखला को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है।''

जब स्कर्ट पहनी जोई गॉस ने ब्रायन लारा को किया स्टंप आउट

स्पोर्ट्स डेस्क । टेनिस में महिलाओं के लिए लंबे समय से ड्रैस कोड तय है। पुरुष प्रतिभागी निक्कर तो महिला स्कर्ट पहनती हैं। बहुत कम लोगों को पता है कि क्रिकेट में भी पहले महिला क्रिकेटर स्कर्ट पहना करती थी। महिला क्रिकेट का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है लेकिन इसे सबसे ज्यादा पहचान 1994 में मिली जब एक प्रदर्शनी मैच में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर जोई गॉस ने ब्रायन लारा को आउट कर दिया था। मैच के दौरान जहां पुरुष क्रिकेटर पायजामा पहने हुए थे तो वहीं, जो ने स्कर्ट पहन रखी थी। उन्होंने मैच के दौरान पहले बल्लेबाजी की फिर बाद में दो विकेट भी निकालीं। उक्त मैच ब्रैडमैन-11 और वर्ल्ड-11 के बीच खेला गया था। गॉस ने साउथ पर्थ के लिए 11 साल की उम्र में क्रिकेट का अपना पहला मैच खेला। इसमें उन्होंने 36 रन बनाए थे। 1985-86 सीजन में 17 साल की उम्र में उन्होंने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया। गॉस ने 1995-96 तक पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के साथ खेला। फिर वह विक्टोरिया चली गईं। 1999-2000 में डब्ल्यू.ए. के साथ खेलना शुरू किया। गॉस के जूनियर्स दिनों से कोच रहे मिशेल कहते हैं।

मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि गॉस ने उस दौर में क्रिकेट खेली जब किसी भी अच्छी महिला की तुलना में उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। वह अपने जिम वर्क, रनिंग के साथ अपनी शारीरिक क्षमताओं के उस दौर पर थी जिसपर युवा महिलाएं अक्सर पहुंच नहीं पातीं। लारा को आउट करने के बाद वह बहुत खुश थी। उसे पहले जोई या गॉस के नाम से पुकारा जाता था। लेकिन उस मैच के बाद उन्हें जोई गॉस सुनने की आदत पड़ गई। जोई गॉस का क्रिकेट करियर टेस्ट : 12 मैच, 280 रन वनडे: 65 मैच, 1099 रन लिस्ट-ए : 151 मैच, 3899 रन बुमन नैशनल क्रिकेट लीग : 76 मैच, 2800 रनलारा को आउट करने के बाद वह बहुत खुश थी। उसे पहले जोई या गॉस के नाम से पुकारा जाता था। लेकिन उस मैच के बाद उन्हें जोई गॉस सुनने की आदत पड़ गई। जोई गॉस का क्रिकेट करियर टेस्ट : 12 मैच, 280 रन वनडे: 65 मैच, 1099 रन लिस्ट-ए : 151 मैच, 3899 रन वुमन नैशनल क्रिकेट लीग : 76 मैच, 2800 रन

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक खेलों की चुनौती से मेल खानी चाहिए खिलाड़ियों की मानसिकता : रीड

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक जीतने के लिए मजबूत इरादे की जरूरत होती है और मुख्य कोच ग्राहम रीड अगले साल तोक्यो ओलंपिक खेलों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम में इसे और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। कोविड-19 महामारी के चलते 2020 तोक्यो ओलंपिक को एक साल के लिये स्थगित कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया की 1992 बार्सिलोना ओलंपिक की रजत पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके रीड ने कहा, 'ओलंपिक खेलों की दुनिया की सबसे कठिन प्रतियोगिता होते हैं इसलिये एक खिलाड़ी को मानसिक रूप से इसकी बराबरी करनी होती है। हॉकी इंडिया के बयान के अनुसार उन्होंने कहा, 'बतौर खिलाड़ी सबसे बड़ी चुनौती होती है जो काम कर रहे हो, उस पर ध्यान लगाये रखना। पहले मैच में काफी ज्यादा भावनायें होती हैं। जो खिलाड़ी इन भावनाओं को नियंत्रित कर सकता है और रणनीति पर कायम रहता है, वह आगे रहता है। खेल के सभी पहलुओं में सुधार करने की जरूरत है, रीड ने टीम को मानसिक रूप से मजबूती हासिल करन पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'अगले इन 12 महीनों में हमारे लिये सबसे बड़ी चुनौती 'अनिश्चितता को लेकर होगी। ऐसी बहुत सारी चीजें होती है जो होगी लेकिन उन पर हमारा नियंत्रण नहीं होगा। हमें सिर्फ उन चीजों के बारे में चिंतित होना चाहिए जिन पर हम काबू कर सकते हैं। रीड ने कहा, 'हम सिर्फ इस चीज पर नियंत्रण रख सकते हैं कि हम कितनी कड़ी मेहनत करें, कितनी अच्छी तरह हम ट्रेनिंग करें, और हमारा फिटनेस स्तर कैसा हो। मानसिक रूप से मजबूती निश्चित रूप से एक अहम चीज होगी और भारतीय खिलाड़ियों में मुश्किल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता जन्मजात है।

पालेर्मो लेडिज ओपन से होगी टेनिस की वापसी

रोम। कोरोना वायरस महामारी के कारण लगभग पांच महीने तक स्थगित रहने के बाद तीन से नौ अगस्त तक खेले जाने वाले पालेर्मो लेडिज ओपन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेनिस की वापसी हो रही हैं। टूर्नामेंट में विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिमोना हालेप और 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको के अलावा पिछले साल फ्रेंच ओपन की उपविजेता रही मार्केटा वोंद्रोसोवा भी भाग ले रहीं हैं। टूर्नामेंट के निदेशक ओलिवियरो पाल्मा ने द एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची शानदार हैं। यह किसी बड़े टूर्नामेंट की तरह है। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बड़ा सम्मान है लेकिन बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है। मार्च के बाद आधिकारिक तौर पर खेले जाने वाला यह पहला टूर्नामेंट होगा। इटली के छोटे शहर में होने वाले टूर्नामेंट में आम तौर पर शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी भाग नहीं लेते लेकिन कोविड-19 महामारी के दौर में वापसी कर रहे इस टूर्नामेंट में दो ग्रैंड स्लैम चैम्पियन, फ्रेंच ओपन की पिछले साल की उपविजेता और शीर्ष रैंकिंग के कई खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

एमबापे के फाइनल में चोटिल होने के बाद भी फ्रेंच कप चैम्पियन बना पीएसजी

पेरिस । स्टार खिलाड़ी काइलन एमबापे के टखने में गंभीर चोट के कारण मैदान छोड़ने के बाद भी पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच कप के फाइनल में सेंट-एटिने को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पीएसजी के लिए यह गोल नेमार ने मैच के 14वें मिनट में किया। एमबापे के किक को गोलकीपर जेसी मौलिन ने बचा लिया लेकिन गेंद के उनके हाथ से छटकने ही नेमार ने इसे गोल में बदल दिया। एमबापे की चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से बाहर जाने के लिए बैसाखी का सहारा लेना पड़ा। उन्हें यह चोट मैच के 30वें मिनट में सेंट-एटिने के खिलाड़ी लोइच पेरिन के उनसे टकराने से लगी। पेरिन को इसके बाद रेड कार्ड दिखाया गया और उनकी टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ मैच खेलना पड़ा। पीएसजी ने अपने रिकार्ड में सुधार करते हुए लगातार 13वीं बार यह खिताब हासिल किया। अगले महीने उसे अटलांटा के खिलाफ चैम्पियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में खेलना है। मैच के बाद जब फ्रांस के खिलाड़ी पदक ले रहे थे तक एमबापे ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन से कहा, 'यह बस थोड़ा सा चटक गया है।'

लाइव सेशन के दौरान कुंबले- कभी समझ नहीं पाया क्यों होती थी शेन वॉर्न से तुलना

स्पोर्ट्स डेस्क । पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा कि वह कभी समझ नहीं पाए कि उनकी तुलना ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शेन वॉर्न से क्यों होती थी। कुंबले ने जिम्बाब्वे के पूर्व तेज गेंदबाज पम्मी मिंगगवा से इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन के दौरान ये बात कही। कुंबले ने कहा, इतनी विकेटों के साथ खेल को अलविदा करना वास्तव में अद्भुत लगता है। मैंने कभी भी आंकड़ों को लेकर परेशान नहीं हुआ कि मेरा औसत क्या होना चाहिए, मैं पूरे दिन गेंदबाजी करना चाहता था और विकेट लेना चाहता था। मुरली और वार्न के साथ टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त होना बहुत खास है। हम तीनों एक ही युग में खेले, बहुत सारी तुलनाएं हुईं, मुझे नहीं पता कि लोगों ने मेरी तुलना वॉर्न से क्यों करते हैं। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा कि वार्न वास्तव में अलग और अलग ही जहाज पर सवार रहता था। उन्होंने कहा, ये दोनों लोग किसी भी सतह पर गेंद को स्पिन कर सकते थे इसलिए मेरे लिए वास्तव में मुश्किल हो गई जब उन्होंने मेरी तुलना वॉर्न और मुरली से करनी शुरू कर दी। मैंने उन दोनों को गेंदबाजी करते हुए बहुत कुछ सीखा। भारतीय स्पिनर ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 619 विकेटों के साथ संन्यास लिया था। गौर हो कि कुंबले श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (800) और ऑस्ट्रेलिया के शेन वार्न (708) के बाद टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं। इसी के साथ ही वह इंग्लैंड के जिम लेकर के बाद दूसरे ऐसे इंटरनेशनल गेंदबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की एक इनिंग में सभी 10 विकेट्स ली हैं।

कोरोना महामारी के कारण रद्द हुई एफ-1 यूएस ग्रां प्री

वाशिंगटन । फॉर्मूला वन यूनाइटेड स्टेट्स ग्रां प्री (एफ1 यूएस जीपी) को कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण रद्द कर दिया गया है। एफ1 यूएस ग्रां प्री के रद्द होने के पहले इस वर्ष मेक्सिको सिटी ग्रां प्री, साओ पाओलो में ब्राजीलियन ग्रां प्री और मॉन्ट्रियल में कैनेडियन ग्रां प्री को भी रद्द कर दिया गया था। एफ1 यूएस ग्रां प्री रेस का आयोजन इस वर्ष अक्टूबर में टेक्सास के ऑस्टिन में स्थित सर्किट ऑफ अमेरिकास में होने वाला था लेकिन टेक्सास में कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते मामलों के कारण इसे रद्द करना पड़ा। सर्किट ऑफ द अमेरिकास के अध्यक्ष बॉबी एप्स्टीन ने शुक्रवार को कहा, 'मेरा मानना है कि हर किसी को यह लगता है कि इस रेस को कराना बहुत ही जोखिम भरा कार्य है। उन्होंने कहा, 'यह अमेरिका के लिए बड़ा नुकसान है लेकिन यह राज्य के लिए भी बड़ी हानि है। एप्स्टीन ने कहा कि 2019 में यूएस ग्रां प्री का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष रूप से 392 करोड़ डॉलर का प्रभाव पड़ा था सर्किट ऑफ द अमेरिकास के अध्यक्ष बॉबी एप्स्टीन ने शुक्रवार को कहा, 'मेरा मानना है कि हर किसी को यह लगता है कि इस रेस को कराना बहुत ही जोखिम भरा कार्य है। उन्होंने कहा, 'यह अमेरिका के लिए बड़ा नुकसान है लेकिन यह राज्य के लिए भी बड़ी हानि है। एप्स्टीन ने कहा कि 2019 में यूएस ग्रां प्री का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष रूप से 392 करोड़ डॉलर का प्रभाव पड़ा था।

सिडनी टेस्ट को लेकर अंपायर बकनर पर भड़के पठान, कहा- 7 गलतियां, मजाक कर रहे थे आप

स्पोर्ट्स डेस्क । पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान ने 2008 सिडनी टेस्ट पर खुलासा करते हुए कहा कि उस टेस्ट में एक नहीं 7 गलतियां हुई थी और उन्होंने भारतीय क्रिकेटरों को पहली बार गुस्से में देखा था। इस दौरान विवाद भी हुआ जिस दौरान अंपायर स्टीव बकनर सभी के निशाने पर आ गए थे। हाल ही में बकनर ने उस मैच को याद कर अपनी गलती भी मानी थी। पठान उस समय भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि अंपायरों की गलती की वजह से हम वह टेस्ट मैच हारे थे। पठान ने एक स्पोर्ट्स चैनल से बातचीत के दौरान कहा, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपनी गलतियों को कितना स्वीकार करते हैं, हम टेस्ट मैच हार गए है। मुझे याद है, मैंने अपना पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेला था - जो कि एडिलेड में था, मेरा पहला खेल (2003 में) और हमने ऑस्ट्रेलिया में 21 (22) वर्षों के बाद वह टेस्ट जीता। और अंपायरिंग त्रुटियों के कारण सिर्फ टेस्ट मैच हार गए? अब कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है, चाहे अंपायर कुछ भी कहें। उन्होंने कहा कि सिडनी टेस्ट मैच में सिर्फ एक गलती नहीं हुई बल्कि 7 गलतियां हुई जिसका हरजाना उन्हें हार से चुकाना पड़ा। उन्होंने कहा, जहां एंड्रयू सायमंड्स खेल रहे थे, वहां गलतियां हुई और वह लगभग आउट हो गए थे, मुझे याद है, तीन बार और अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया। बकनर ने 30 के स्कोर पर सायमंड्स को कैच आउट देने से इनकार कर दिया। उन्होंने 162 रन बनाए और मैच ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में चला गया। पठान ने कहा कि वह मैच हम आफ द मैच बने और हमें 122 रन से हार मिली। अगर वह एक फैसला एंड्रयू सायमंड्स के खिलाफ होता तो हम मैच आसानी से जीत सकते थे। यह टीम के लिए केवल निराशा नहीं थी। पहली बार मैंने भारतीय क्रिकेटरों को गुस्से में देखा था। फैंस के दिमाग में केवल एक ही बात थी कि अंपायरों ने ये सब ऑस्ट्रेलिया को जीताने के इरादे से किया है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट के तौर पर हम यह नहीं सोच सकते थे। हमने सोचा कि ठीक है ये हो गया और हम आगे बढ़ गए।

अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान ने लगाया धोनी का फेवरेट शॉट

स्पोर्ट्स डेस्क । अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान हाल ही में अपने एक बयान से चर्चा में आए थे जिसमें उन्होंने कहा था कि वह वर्ल्ड कप जीतने के बाद शादी करेंगे। अब ये खिलाड़ी एक बार फिर सुर्खियों में है। इसका कारण है कि राशिद इस बार पूर्व भारतीय कप्तान और महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी का मशहूर हेलिकॉप्टर शॉट खेलते हुए नजर आए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी टीम सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो डाला है। इस वीडियो में राशिद प्रैक्टिस सेशन के दौरान हेलिकॉप्टर शॉट खेलते हुए नजर आए। इस वीडियो को 1.65 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और वहीं फैंस इस पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, क्या शॉट है। एक अन्य यूजर ने इस पर कमेंट किया और राशिद को किंग कहा। गौर हो कि कोरोना वायरस के कारण स्थगित हुआ आईपीएल 2020 अब 19 सितम्बर से 8 नवम्बर के बीच खेला जाएगा। इस बार ये टी20 टूर्नामेंट भारत नहीं बल्कि यूएई में खेला जाएगा जिसकी जानकारी खुद आईपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल ने हाल ही में साझा की है। राशिद लम्बे समय से सनराइजर्स हैदराबाद के साथ हैं और साल 2018 में वह दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोच-समझ कर करें खरीदारी

बड़े-बड़े रिटेल स्टोर्स आजकल लॉयल्टी कार्ड, रिवार्ड कार्ड या मेम्बरशिप के नाम से ग्राहकों को आकर्षक छूट के नाम पर ललचाते हैं। हालांकि वह सारी चीजें काफी मंहगी और आपके घर के बजट को झकझोर देने वाले होंगे।महंगाई के युग में आपका घरेलू बजट न बिगड़ जाए और आप फिजूलखर्ची न कर डालें, इसके लिए खरीदारी में समझदारी दिखानी बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास उपाए।

एक पर एक मुफ्त से बचें

'सीमित समय की छूट', 'एक खरीदें एक मुफ्त पाएं', 'एक खरीदें, दूसरे पर 50 फीसदी छूट पाएं' आदि फार्मूले ग्राहकों के लिए एक जाल का काम करते हैं। अक्सर लोग 'यह मौका चूक न जाए' के फेर में आकर बिना सोचे-विचारे इन्हें खरीद लेते हैं।

पुरुष हैं तो अकेले खरीदें

देखा गया है कि अपने किसी मित्र के साथ खरीदारी करने जाने पर 56 फीसदी पुरुष जरूरत से ज्यादा सामान खरीद लेते हैं क्योंकि पुरुषों में शॉपिंग के दौरान अपने मित्रों के सामने अपना ज्ञान बघारने और अपना स्टैंडर्ड दिखाने की आदत होती है। जबकि सिर्फ चार फीसदी महिलाओं ही में यह आदत होती है। इसलिए अगली बार से अकेले खरीदारी के लिए जाएं।

नई पैकिंग यानी महंगा सामान

कॉस्मेटिक्स एवं फूड प्रोसेसिग प्रोडक्ट निर्माता इस काम में खास माहिर होते हैं। देखा गया है कि जब भी इनकी नई पैकिंग आती है तो उसमें माल की मात्रा कम होती चली जाती है या कीमतें बढ़ती जाती हैं। ग्राहक में आकर्षण पैदा करने के लिए कोई मामूली सी चीज इसके साथ मुफ्त देने का भरपूर विज्ञापन किया जाता है। ग्राहक बिना सोचे-समझे अक्सर इनसे प्रभावित हो जाते हैं और इन्हें तुरंत खरीद लेता है।

99 के फेर में ना पड़ें

अक्सर बड़ी कंपनियां या बड़े दुकानदार अपने रेट टैग में कीमतें 1299 या 1799.95 जैसे अंकों में लिखते हैं जिसे हम आम तौर 1200 या 1700 के रूप में देखते हैं। ऍसा 'लेफ्ट डिजिट इफेक्ट' के कारण होता है। ऍसी कीमतें हमारे मन में यह विचार लाती हैं कि यह बेहद अच्छा सौदा है। इसलिए अगली बार कोई चीज खरीदते समय उसकी पूरी कीमत पर गौर करें।

जो लेना ना हो उसका ट्रायल ना करें

कपड़े के दुकानदारों के दो जुमले ग्राहकों को खूब फंसाते हैं, पहला 'अजी लेना नहीं तो मत लीजिए देखने में क्या जाता है' और दूसरा 'लेना मत, एक बार ट्रायल रूम में पहनकर तो देखिए।' ये दोनों दुकानदारों के आजमाए हुए सफलतम नुस्खे हैं। ट्रायल करने और गैर जरूरी कपड़े देखने वाले ग्राहक अक्सर दूसरों की तुलना में दोगुनी खरीदारी कर लेते हैं।

मानसून मस्ती में बालों और पैरों को रखे ख्याल

बारिश का मौसम कई खुशियां लेकर आता है लेकिन अगर सावधानी नहीं बरती जाए तो यह मौसम आफत भी बन सकता है। मानसून में सबसे ज्यादा परेशानियां बालों और पैरों को लेकर होती हैं। बाल चिपचिपे से हो जाते हैं तो पैर गंदगी सहन करते हैं।इनकी देखभाल खास जरूरी है...

बालों की देखभाल, बनाए अच्छा हेयरकट

मानसून मेकओवर का सबसे सही वक्त होता है। यह वह समय होता है, जब आप अपनी पसंद का हेयरकट ले सकती हैं। आप चाहें तो फंकी, शार्ट हेयरकट करवाएं। बाल छोटे हो जाएंगे तो इनकी देखभाल में भी ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

रोजाना धोएं

यह बिल्कुल भी न सोचें कि बारिश का मौसम है तो रोजाना बाल धोने की जरूरत नहीं है या भीग गए तो बाल अपने आप धुल जाएंगे। बारिश का गंदा पानी बालों को खराब कर सकता है। इसलिए बारिश में भीगने के बाद तो तुरंत साफ पानी और शैम्पू से बालों को धो लें। मानसून के दिनों में हफ्ते में कम से कम दो या तीन बार माइल्ड शैंपू से बाल धोएं और कंडीशनर करें। इसके अलावा गुनगुने नारियलतेल से बालों की मालिश अवश्य करें।

कुछ खास टिप्स

गुनगुने तेल से हफ्ते में दो बार सिर की मालिश करें।

तैलीय और मसालेदार खाने से परहेज रखें।

सुबह उठकर एक कप आंवले का ताजा रस पीएं। इससे ब्ााल स्वस्थ रहते हैं।

बालों को जड़ों से मजबूत रखने के लिए खूब सारे फल और सलाद खाएं। इनसे बालों को हर तरह के विटामिन्स मिलते हैं।

एक पका केला लें और उसे मैश करें। इसमें एवोकेडो का तेल अच्छे से मिला दें। उसके बाद इस मिश्रण को बालों पर लगाएं। एक घंटे बाद बाल धो लें। बाल मुलायम हो जाएंगे।

पैरों का रखरखाव

स्टेप : 1- पैरों के नाखून काटकर उन्हें सही शेप दें। उसके बाद कॉटन बॉल की मदद से एनेमल साफ करें। इससे नाखूनों की ऊपरी परत चमक जाएगी।

स्टेप : 2- नाखून साफ करने के बाद पैरों को अच्छा सा फुट बाथ दें। इसके लिए टब में गुनगुना पानी भर दें। उसमें एप्सम सॉल्ट या सी साल्ट डालें, कुछ बूंद एसेंशियल ऑयल की डालें। अब इस मिश्रण में पैर को 15 से 20 मिनट के लिए डाल कर रखें। इसके बाद पैरों की हल्के-हल्के मालिश करें।

स्टेप : 3- पैरों को पानी में से निकालकर तौलिए से हल्के हाथों से पोछें। उसके बाद पैरों में क्यूटिकल क्रीम या ऑलिव ऑयल लगाएं।

स्टेप : 4- पैरों को प्यूमिक स्टोन या पैड से साफ करें ताकि पैरों की त्वचा और नाखून से अतिरिक्त तेल साफ हो जाए। उसके बाद फुट स्क्रब (स्क्रब बनाने के लिए एक चम्मच ऑलिव ऑयल को एक कप एप्सम सॉल्ट में मिलाएं) लगाएं। फिर पांव और एडियों की अच्छे से मालिश करें। पैरों से साफ करें और उसके बाद क्यूटिकल स्टिक्स से नाखूनों की क्यूटिकल्स को पीछे की ओर धकेलें।

स्टेप : 5- जब स्क्रबिग पूरी हो जाए तब पैरों को अच्छी तरह धो लें। उसके बाद पैरों में मॉइश्चराइजर लगा लेंवे। इससे पैरों की त्वचा नम होती है और कोमल बनती है। पैरों को अच्छे से मॉइश्चराइज करने से पैरों में खून का दौरा भी सही रहता है और एडियां भी नहीं फटतीं।

गर्भपात के साइड इफेक्ट

गर्भपात यानी की अबॉर्शन एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे अनचाहे गर्भ से मुक्ती पाई जा सकती है। इस प्रक्रिया को अंजाम देने के लिये अबॉर्शन पिल्स या फिर ऑपरेशन का ही सहारा लेना पड़ता है। एक बार गर्भपात करवाने के बाद आप प्रेगनेंसी से मुक्ती तो पा लेंगी लेकिन इसके शारीरिक और दिमागी रूप से कई साइड इफेक्ष्ट हो सकते हैं। चलिये जानते हैं कि आखिर क्ष्या दुष्प्रभाव होता है जब आप गर्भपात करवाती हैं?

ये होते हैं दुष्प्रभाव -

1. अनसेफ अबॉर्शन स्वास्थ्य को रिस्क पहुंचा सकता है। ऑपरेशन के लिये असुरक्षित उपकरणों का प्रयोग, गंदी सुविधाएं होना और कम अनुभवी लोग से ऑपरेशन करवाना स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं। अगर अबॉर्शन सही से अंजाम नहीं दिया गया तो महिला की मौत तक हो सकती है।

2. अगर आप अबॉशन पिल्स लेंगी तो भी आपको ज्यादा मात्रा में ब्लीडिंग, चक्कर आना, सिरदर्द और मासिक दर्द होगा, जो कि अबॉशन के बाद होता है।

3. ज्यदा ब्लीडिंग या फिर बिल्कुल ही कम ब्लीडिंग होना, बहुत ही चिंता जनक बात हो जाती है। अगर अबॉशन के बाद ऐसी मासिक से जुड़ी समस्या पैदा होती हो तो महिला को तुरंत ही अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिये।

4. ज्यादा ब्लीडिंग होने का यह भी मतलब हो सकता है कि गर्भाशय पंचर हो चुका है या फिर हेम्रज हुआ है।

5. जब कोई भी महिला अबॉर्शन कर के गुजरती है तो उसमें डिपरेशन और कुछ साइकोलॉजिकल समस्याएं पैदा हो जाती हैं। बच्चे को खोने का दर्द महिलाओं की दिमागी शांती को भंग कर देता है।

6. अगर महिला को हार्ट या मधुमेह से जुड़ी समस्ष्या है, तो उसे ऐसा निर्णय लेने से पहले अपने डॉक्टर से पूछ लेना चाहिये। अबॉर्शन में प्रयोग होने वाली एनेस्थीसिया या सर्जरी से कई तरह के साइड इफेक्ट हो सकते हैं।

7. मेडिकल अबॉशन से योनि संक्रमण, पेल्घविक संक्रमण तथा निशान या पूरे शरीर पर इंफेक्शन हो सकता है। कई बार इसमें महिला की मृत्यु भी हो जाती है।

8. एक बार गर्भपात करवाने के बाद महिला में मिसकैरेज के और भी ज्यादा चांस बढ़ जाते हैं क्योंकि गर्भाशय बहुत कमजोर हो जाता है।

रोज मेकअप से स्किन को नुकसान

रोजाना मेकअप करने से चेहरा जल्दी खराब हो जाता है लेकिन क्या आपको पता है चेहरा रोज मेकअप करने से नहीं बल्कि गलत और अच्छे ब्रांड के कॉस्मेटिक्स यूज ना करने से होता है अगर स्किन पर अच्छे ब्रांड के कॉस्मेटिक्स यूज किये जाये तो ये स्किन को नुकसान नहीं पहुंचाते। आज कल ज्यादातार ब्यूटी प्रॉडक्टस नॉन कोमेडोजोनिक होते है जो हमारी स्किन को खराब कर देते हैं।

तेज गर्मी में फाउडेंशन से दिक्कत- अकसर ये देखा गया है कि तेज गर्मी में फाउंडेशन फेस पर फैल जाता है जो देखन में बहुत बुरा लगता है, तो आप फाउंडेंशन लगाने का तरीका कुछ चौंज कर दें। सबसे पहले तो आप मेकअप लगाना शुरूकरें तो पहले फेस पर बर्फ को अच्छे से मालिश करें उसके कुछ देर बाद आप अपने फेस पर मेकअप कर सकती है। गमियों के मौसम में फाउंडेशन को ध्रिज में रखें। तैलीय स्किन होने पर फाउंडेशन लगाने के पहले रूई के फाहे से एस्ट्रजेंट है।

सेसिंटिव स्किन पर फाउंडेशन लगाने के बाद फेस रेड नजर आना - अगर फाउंडेशन लगाने के बाद आपका फेस रेड नजर आने लगे तो ये टिप आजमाएं । थोड़े से लूज पाउडर में सोडा बाई कार्बोनेट मिलाकर फाउंडेशन लगाने से पहले इस पाउडर को फेस पर हल्के से कॉटन से फेस साफ कर फॉउडेंशन लगायें इससे स्किन रेड नजर नहीं आयेगी ।

ब्लोड्राअर से नुकसान- ब्लो ड्राई करने से बाल झुलस जाते हैं यह बात गलत है। लेकिन घ्सा हो सकता है कि बाल गंदे हों या चिपचिपे हो या बालों में से कंडीशर अच्छी तरह निकाला न गया हो तो बालों को नुकसान पहुंचता है इसलिए बेहतर होगा कि बालों को पहले अच्छी तरह से साफ करें फिर बालों में ब्लो ड्राई कर ले ।

मॉइस्चराइजर- मॉइस्चराइजर स्किन की नमी बनाए रखने वाला एक सौंदर्य प्रसाधन होता है इसका यूज करने से स्किन की नमी बरकारार रहती है लेकिन यह देखा गया है कि तैलीय स्किन वाली महिलाएं मॉइस्चराइजर का प्रयोग नहीं करती है। मॉइस्चराइजर की जरूरत तो हर स्किन को होती है आप चाहे तो ऑयली स्किन वालो को ऑयल घी मॉइस्चराइजर का प्रयोग कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केजरीवाल सरकार का मिशन सीसीटीवी , अब दिल्ली पुलिस के लिए बना वरदान

नई दिल्ली। कोरोना के कहर के बीच देश की राजधानी दिल्ली में केजरीवाल सरकार की तरफ से लगाए गए सीसीटीवी कैमर अब दिल्ली पुलिस के लिए काफी मददगार साबित हो रहे हैं। एक समय था जब दिल्ली सरकार की ओर से लगाए गए इन सीसीटीवी कैमरों पर विपक्ष ने काफी विरोध किया था लेकिन इन्ही कैमरों की वजह से यमुनापार में हाल ही में एक छोटी बच्ची का अपहरण करने वाले आरोपियों को दिल्ली पुलिस पकड़ पाई है। सीसीटीवी कैमरों से दिल्ली पुलिस कई मामलों को सुलझाया एक रिपोर्ट के अनुसार 29 सितंबर 2019 से अब तक 240 मामलों की फुटेज लेकर दिल्ली पुलिस कई मामलों को सुलझा चुकी है। इसके इलावा कोरोना काल में जब एक शख्स दिलशाद गार्डन विदेश से आया था, जो कोरोना पॉजिटिव पाया गया। जब उस शख्स से पूछताछ की गई कि वह किस किस के संपर्क में आया था तो वह सच नहीं बता रहा है। शख्स बार बार यही कह रहा था कि वह न ही घर से निकला और न ही किसी के संपर्क में आया। तभी इस मामलें में पुलिस के लिए सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और सच साबित किया। सीसीटीवी कैमरे में पता लगा कि वह कई दिन इलाके में घूमा था और कईं लोगों से मिला जुला था। दिल्ली में अब तक एक लाख 40 हजार सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं। कोरोना की वजह से कैमरे लगाने की प्रकिया जो बंद हुई थी वह जल्द ही शुरू होने वाली है। इन्हें मिलाकर दिल्ली में 2 लाख 80 हजार कैमरे हो जाएंगे। दिल्ली सरकार ने अब तक 40 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। इसमें गोल मार्केट,रानीबाग, पी एंड टी कॉलोनी, बीके दत्त कॉलोनी व अतुल ग्रोवर रानीबाग, पी एंड टी कॉलोनी, बीके दत्त कॉलोनी व अतुल ग्रोवर रोड आदि के इलाके शामिल हैं। रानीबाग, पी एंड टी कॉलोनी, बीके दत्त कॉलोनी व अतुल ग्रोवर रोड आदि के इलाके शामिल हैं। कैमरों के लिए आरडब्ल्यूए के साथ-साथ आम लोगों से बिजली कनेक्शन ली जाएगी, लेकिन बिजली के खर्च का भार सरकार उठाएगी। दिल्ली सरकार द्वारा उन सभी लोगों की सूची बिजली कंपनियों को दी जाएगी, जिनके बिजली कनेक्शन से कैमरों के लिए बिजली ली गई है। एक कैमरे पर महीने में करीब 6 यूनिट बिजली खर्च होगा और कंपनियों को इस बिजली खर्च का भुगतान सरकार करेगी।

तो इस वजह से कोरोना संक्रमित हुए शिवराज! उनके गृहमंत्री भी बिना मास्क लगाए आते हैं नजर

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान देश के एसे पहले मुख्यमंत्री हैं जो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिसको लेकर तमाम पक्ष-विपक्ष के नेता उनके जल्द ही स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उन्हें कोरोना होने पर तंज कसते हुए कहा है कि अगर आपने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया होता तो ऐसा न होता। हाल में ही उपचुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सीएम शिवराज और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत तमाम बीजेपी नेताओं ने देवास और आगर मालवा में रैलियां की। इस बीच दूसरों को सोशल डिस्टेंसिंग का पाठ पढ़ाने वाले शिवराज सिंह चौहान को न कोरोना का ख्याल आया और न ही सोशल डिस्टेंसिंग का! कुछ ही दिनों पहले शिवराज सरकार में मंत्री अरविंद भदोरिया कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इससे पहले उन्हें भी अकसर जनता और भीड़ के बीच में ही देखा गया। इस बीच भाजपा सरकार में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा तो और भी ज्यादा कोरोना को हल्के में लेते नजर आए। वे जहां भी दिख रहे हैं बिना मास्क के भीड़ भाड़ के बीच में ही रहते हैं। नरोत्तम मिश्रा एक नहीं कई बार बिना मास्क दे दिखाई दे चुके हैं। सबसे पहले वे दतिया के बड़ोनी में बनने वाले 3 करोड़ 66 लाख रूपये के मेडिकल कॉलेज के छात्रावास भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस बीच वे बिना मास्क के ही दिखाई दिए। यही नहीं गुरुवार को नरोत्तम मिश्रा जब भोपाल सेंट्रल जेल का निरीक्षण करने पहुंचे, तो वहां भी वे बिना मास्क के ही दिखाई दिए। सीएम शिवराज सिंह चौहान को कोरोना होना बड़ी बात इसलिए भी है क्योंकि बीते कुछ दिनों से वे लगातार अपने कार्यकर्ताओं से मिल रहे थे। शिवराज ही नहीं बल्कि भाजपा सरकार मे कई ऐसे बड़े नेता हैं जो लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग की अपील तो कर रहे हैं ।

नौकरी गई तो कंपनी पर कर दिया साइबर अटैक, इंजीनियर की इस जिद से सब हुआ तहस-नहस

नेशनल डेस्क। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को अपनी पूर्व कंपनी के डेटाबेस में कथित तौर पर सेंध लगाने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी इंजीनियर की लॉकडाउन के दौरान नौकरी चली गई थी और इसे वापस पाने के लिए उसने चुनिंदा सूचनाएं हटाने की खातिर कथित सेंधमारी (हैकिंग) की। कंपनी कोविड और दूसरे अस्पतालों के लिए काम करती थी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिमी) विजयंत आर्य ने बताया कि दिल्ली पुलिस को शिकायत दी गई कि किसी ने कंपनी का सर्वर हैक करके करीब 3 लाख पेशेंट के 18000 डेटा डिलीट कर दिया है और 22 हजार गलत एंट्रीज अपलोड की हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आईपी एड्रेस का पता लगाया। पुलिस ने पुराना मौजपुर निवासी विकेश शर्मा को वीरवार को गिरफ्तार किया। शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह कंपनी में वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर कार्यरत था और वेतन के मामले में समझौता नहीं करने के बाद उसे निकाल दिया गया था। आर्य के मुताबिक, आरोपी ने करीब 18,000 मरीजों की जानकारी और करीब तीन लाख मरीजों के बिलों से संबंधित विवरण हटा दिया। इसके अलावा, आरोपी ने करीब 22,000 फर्जी विवरण डाल दिए।

जल्द देश में मिलेगी कोरोना वायरस की सबसे सस्ती दवा, कीमत होगी 59 रुपए

नई दिल्ली। देश में कोरोनावायरस की सस्ती और प्रभावी दवा को डीजीसीआई (ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया) से बाजार में लाने की अनुमति मिल गई है। जानकारी के अनुसार इस दवा की कीमत महज 59 रुपए होगी। इस दवा को तैयार किया है ब्रिंटन फार्मास्यूटिकल्स ने। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे डीजीसीआई से एंटीवायरल दवा फैविपिराविर को ब्रांड नेम फैविटॉन को बाजार में लाने की अनुमति मिल गई है। बयान में बताया गया है कि यह दवा 200 मिलीग्राम की टेबलेट के रूप में होगी। इसका अधिकतम बिक्री मूल्य 59 रुपए होगा मतलब बाजार में किसी भी स्थिति में इसे 59 रुपए से ज्यादा कीमत पर नहीं बेचा जा सकेगा। बयान में कहा गया है कि सामने आ रहे वैश्विक क्लिनिकल साक्ष्य यह बताते हैं कि फैविपिराविर कोरोना वायरस के हलके से मध्यम स्तर के कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए प्रभावी उपचार का विकल्प है। कंपनी ने कहा है कि फैविटॉन एक एंटीवायरल दवा है जो कोरोना वायरस संक्रमण से लड़ने में कोरोना मरीजों की मदद करेगी। ब्रिंटन फार्मा के सीएमडी राहुल कुमार दर्डा ने कहा, इस समय दवा की जरूरत सभी को है। हम चाहते हैं कि ये दवा देश के हर कोरोना मरीज को मिले। हम इसे हर कोविड सेंटर पर पहुंचाएंगे। हमारी दवा की कीमत भी केवल 59 रुपए है जो काफी सस्ती है।

हर राज्य में अलग अलग समय पर कोरोना का चरम, इन इलाकों पर रखने होगी खास नजर

नेशनल डेस्क।

भारत जैसे विशाल देश में कोविड-19 के मामले एक साथ चरम पर नहीं पहुंचेंगे और हर राज्य में इसका अपना वक्त होगा जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसके लोग कब इस संक्रमण की चपेट में आए । एक जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने यह बात कही है। यहां भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान (आईआईपीएच) के निदेशक प्रोफेसर जी वी एस मूर्ति ने कहा कि दिल्ली जैसे राज्यों में इस महीने के अंत या अगस्त की शुरुआत में कोरोना वायरस का प्रकोप चरम पर पहुंच सकता है जबकि तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में यह सितंबर के आसपास चरम पर पहुंच सकता है। मूर्ति ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में इसमें ज्यादा वक्त लग सकता है क्योंकि वहां प्रवासी मजदूरों के लौटने के बाद ही संक्रमण फैला है। हर राज्य में इसका चरम अलग होगा और इस पर निर्भर करेगा कि उसके लोग इस संक्रमण की चपेट में कब आए। देश में हर जगह कोरोना वायरस का प्रकोप एक साथ चरम पर नहीं होने जा रहा। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए बिहार में अन्य शहरों खासतौर से मुंबई और दिल्ली से प्रवासी मजदूरों के लौटने के बाद अचानक से बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले सामने आने लगे। कोरोना वायरस से संक्रमित किसी मरीज को अपने परिवार के अन्य सदस्यों को संक्रमित करने में 10 से 14 दिन लगते हैं और फिर संक्रमण का नया दौर शुरू होगा। ऐसे में सरकार को संक्रमण से निपटने के लिए एहतियाती कदमों को जारी रखने की जरूरत है और समुदाय को भी हाथ धोने और सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसे दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है। प्रोफेसर ने घनी आबादी वाले इलाकों में तेजी से कदम उठाने पर भी जोर दिया।

झारखंड, छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहले बहुत कम मामले थे लेकिन जैसे ही प्रवासियों ने अपने घर लौटना शुरू किया तो मामले बढ़ने लगे।

अयोध्याः रामलला के दर्शन के बाद हनुमानगढ़ी में सीएम योगी ने की पूजा

अयोध्या।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिये पांच अगस्त को होने वाले भूमि पूजन की तैयारियों को जायजा लेंने अयोध्या पहुंचे। मुख्यमंत्री ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ राम लला के दरबार में पहुंचे। यहां उन्होंने राम लला की पूजा-अर्चना की। बता दें मुख्यमंत्री के साथ एसीएस गृह अवनीश अवस्थी के अलावा मंत्री नीलकंठ तिवारी भी मौजूद रहे। दर्शन के बाद मुख्यमंत्री सीधे हनुमान गढ़ी के लिए रवाना हो गए। यहां पहुंचकर उन्होंने बजरंगबली की पूजा की। दर्शन के बाद वह सीधे कारसेवकपुरम के लिए निकल गए। बता दें कि इससे पहले उन्होंने राम मंदिर परिसर में तैयारियों का जायजा लिया। यहां उन्हें ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा मंदिर का नक्शा भी दिखाया गया। योगी यहां संतों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।

साथ ही रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों से मुलाकात करेंगे और भूमि पूजन कार्यक्रम के लिये आमंत्रित मेहमानों की सूची को अंतिम रूप देंगे । गौरतलब है कि 5 अगस्त को दोपहर 12:15 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राम मंदिर का शिलान्यास करेंगे।

कोरोना वायरस के प्रकोप से दुनिया बेहाल: 1.56 करोड़ संक्रमित, तेजी से बढ़ रहा मौतों का आंकड़ा

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है । दुनियाभर में कोविड-19 से अब तक 1.56 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं तथा 6,38,352 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में छठे स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 15,672,841 हो गई है जबकि अब तक इस महामारी के कारण 638,352 लोगों ने जान गंवाई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 41,09,603 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,45,376 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 22,87,475 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 85,238 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 48,916 नए मामले सामने आए हैं और इसके साथ ही यहां इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 13,36,861 हो गई है। देश में अब तक कुल 8,44,932 मरीज स्वस्थ हुए हैं जबकि 31,358 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। रूस कोविड-19 के मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 7,99,499 लोग प्रभावित हुए है।

केवल आर्थिक चिंताओं के कारण लॉकडाउन नहीं हटाया जाएगाः उद्धव ठाकरे

मुंबई।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि वह राज्य में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन को केवल आर्थिक चिंताओं के कारण पूरी तरह से हटाने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी से पैदा हुई चुनौती पर विचार करते हुए स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं कभी नहीं कहूंगा कि लॉकडाउन को पूरी तरह से हटाया जाएगा। लेकिन मैंने कुछ चीजों को धीरे-धीरे फिर से खोलना शुरू कर दिया है। एक बार फिर से खुलने पर इसे दोबारा बंद नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए मैं चरणबद्ध तरीके से कदम उठाना चाहता हूं। आप सिर्फ अर्थव्यवस्था या स्वास्थ्य के बारे में ही नहीं सोच सकते। दोनों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। ठाकरे ने शनिवार को शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक साक्षात्कार में यह बयान दिया। राज्य में लागू लॉकडाउन 31 जुलाई तक चलेगा। जून के बाद से सरकार ने अपनी मिशन बिगिन अगेन पहल के तहत चरणबद्ध तरीके से पाबंदियां हटानी शुरू कर दी थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह महामारी एक वैश्विक युद्ध है। इसने पूरी दुनिया पर असर डाला है। जिन देशों ने यह सोचकर जल्दबाजी में लॉकडाउन हटा दिया था कि यह बीमारी खत्म हो गई है वे इसे फैलने से रोकने के लिए फिर से पाबंदियां लगाने पर मजबूर हैं। ऑस्ट्रेलिया में उन्हें सेना की सहायता लेनी पड़ी। उन्होंने कहा, कई लोग लॉकडाउन का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। ऐसे लोगों से मैं कहना चाहूंगा कि मैं लॉकडाउन हटाने के लिए तैयार हूं लेकिन अगर इसकी वजह से लोगों की मौत हुई तो क्या आप जिम्मेदारी लेंगे? हम भी अर्थव्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। मुंबई में उपनगरीय रेल सेवाएं बहाल करने पर ठाकरे ने कहा, क्या होगा अगर परिवार बीमार पडने लगे और उनके मकानों को सील कर दिया जाए? इसलिए हर चीज चरणबद्ध तरीके से होगी। अपनी सरकार के छह माह पूरे होने पर ठाकरे ने कहा कि वह कुछ निर्दलियों के समर्थन वाली तीन दलों के गठबंधन की सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा, यह केवल ठाकरे सरकार नहीं है बल्कि हर किसी की सरकार है खासतौर से राज्य के निवासियों की जिन्होंने इस प्रयोग को स्वीकार किया। ठाकरे ने कहा कि छह महीने का कार्यकाल कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और निसर्ग चक्रवात जैसी चुनौतियों से भरा रहा। उन्होंने कहा, मैं राजनीतिक चुनौतियों की परवाह नहीं करता। लोगों का मुझ पर भरोसा है। मुंबई में कोविड-19 की स्थिति के बारे में उन्होंने कहा, मुंबई में सेना बुलाने की कभी जरूरत नहीं पड़ी। मुझे ऐसे प्रशासन पर गर्व है जिसने इस चुनौती का सामना किया और शहर में कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज के लिए अस्थायी अस्पताल बनाए। महामारी के दौरान मंत्रालय, राज्य सचिवालय न जाने को लेकर हुई आलोचना पर कोविड-19 महामारी के दौरान अकादमिक वर्ष की शुरुआत पर ठाकरे ने कहा कि ई-लर्निंग ही एकमात्र विकल्प है। विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस के हाल के दिल्ली दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के हालात का जायजा लेने के लिए गए होंगे।

कोविड-19 से मरे लोगों की जिम्मेदारी उठा रहा यह पावरलिफ्टर, सम्मान के साथ देता है विदाई

नेशनल डेस्क। कोरोना महासंकट ने लोगों का रहना सहना ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की सोच को ही बदल डाला है। जहां पहले किसी के मरने के बाद उसकी अंतिम विदाई सम्मान से की जाती थी तो वहीं अब कोरोना के चलते लोग शवों को हाथ लगाने से डरते हैं। हालांकि इस कोरोना काल के बीच कुछ ऐसे भी लोग हैं जो अपना ना सोचकर दूसरों के लिए कुछ करना चाह रहे हैं। ऐसी ही एक कहानी हम बताने जा रहे हैं एक पॉवरलिफ्टर की। बिना झिझक, एक बार में आसानी से 295 किलोग्राम का वजन उठाने वाले पावरलिफ्टर मोहम्मद अजमतुल्ला कोविड-19 से मरने वालों का पूरे सम्मान से कफन-दफन करने का सामाजिक काम कर रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि ऐसे शवों का वजन उठाने में होने वाले दर्द को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। चैम्पियन पावरलिफ्टर का कहना है कि कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वाले किसी व्यक्ति के शव को उठाते वक्त जो दर्द मैं महसूस करता हूं, उसे बयां नहीं कर सकता। ऐसे में जबकि कोरोना वायरस को लेकर समाज में डर का माहौल है, लोग कोविड-19 से मरने वालों के शवों को छूने से परहेज कर रहे हैं, आसपड़ोस में उनके अंतिम संस्कार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, यहां तक कि संक्रमण से मरने वालों के रिश्तेदारों को भी शक की नजर से देख रहे हैं, किसी शव का पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने की जिम्मेदारी उठाना बड़ी बात है। अजमतुल्ला ऊर्फ अजमत वैसे तो एक आईटी फर्म डीएक्ससी में प्रोग्राम मैनेजर हैं और सप्ताह में पांच दिन, सोमवार से शुक्रवार तक नौकरी करते हैं, लेकिन बचे हुए अपने दो दिन (शनिवार, इतवार) में वह 'मर्सी मिशन के साथ मिलकर कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों का अंतिम संस्कार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर में आतंक का सफाया, सुरक्षाबलों ने लश्कर का टॉप कमांडर किया ढेर

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के बाहरी इलाके में शनिवार को सुरक्षा बलों के घेराबंदी और तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। मुठभेड़ में लश्कर के शीर्ष कमांडरों में से एक इश्फाक रशीद खान और लश्कर के आतंकी ऐजाज अहमद को ढेर कर दिया गया। मारे गए आतंकियों के पास से कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शहर के बाहरी इलाके में रणबीरगढ़ पंजिनारा में श्रीनगर-बांदीपोरा मार्ग पर आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना पर राष्ट्रीय रायफल के जवानों, जम्मू और कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने आज तड़के संयुक्त अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबल जब लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे तो वहां छिपे आतंकवादियों ने उन पर स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा बलों की जवाबी कारर्वाई में दो आतंकवादी मारे गए है और अभियान अब भी जारी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ में सुरक्षा बलों का एक जवान भी घायल हुआ है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आस पास के इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

जज्बे को सलामः ऑनलाइन क्लास में शामिल होने के लिए रोज पहाड़ चढ़ता है लड़का

नई दिल्ली। मंजिलें उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। इस कहावत को सही कर दिखाया है राजस्थान के बाड़मेर के रहने वाला हरीश नाम का युवक पढने के लिए रोज पहाड़ पर चढ़ता है। भारत के पूर्व क्रिकेटर विरेंद्र सहवाग ने इस लड़के की फोटो को ट्वीट कर बहुत तारीफ की है। उन्होंने लिखा है कि हरीश नाम का यह लड़का गांव में सही नेटवर्क न आने के कारण हर दिन पहाड़ पर चढ़ता है ताकि इंटरनेट का उपयोग करके वह ऑनलाइन क्लास कर सके। हरीश हर सुबह 8 बजे पहाड़ चढ़ता है और क्लास खत्म होने के बाद दोपहर 2 बजे घर लौटता है। इस बच्चे की कठिन परिश्रम देख हर कोई हैरान है। यूजर्स भी सोशल मीडिया पर इस बच्चे की मदद करने की गुहार लगा रहे हैं। इस फोटो को अब तक 7 हजार से ज्यादा रिटेनर और 75 हजार से ज्यादा लाइनेक्स मिल चुके हैं।

अनुच्छेद 370 व तीन तलाक की बरसी पर देशभर में कार्यक्रम आयोजितकरेगी भाजपा

नई दिल्ली। बीजेपी ने अपनी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों और प्रभारियों को पत्र लिखकर अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के एक साल पूरे होने पर और ट्रिपल तालक विधेयक अधिनियम बनने पर कार्यक्रम आयोजित करने कहा है। इन कार्यक्रमों में नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। बता दें कि, पिछले साल 5 अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने की घोषणा की थी। वहीं इसी संसद सत्र में मुस्लिम महिलाओं के लिए मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक कानून लागू किया था। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय इकाई द्वारा सभी राज्यों प्रमुखों और प्रभारियों को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के एक वर्ष पूरा होने पर और ट्रिपल तालक विधेयक पारित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के लिए लिखा है। इस क्रम में 28 जुलाई से लेकर 3 अगस्त तक देश भर में एक भारत एकात्म भारत अभियान चलाएगी। भाजपा, पूरे देश मे वर्चुअल रैली, संवाद कार्यक्रम, गोष्ठी, सोशल मीडिया अभियान और कार्यक्रम का आयोजन करेगी। पार्टी के 11 राष्ट्रीय पदाधिकारी जम्मू,, श्रीनगर, लद्दाख में 5 अगस्त को कार्यक्रम में भाग लेंगे और दोनों प्रदेशों में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की 1 साल की योजना और उपलब्धियों पर वहां की परिस्थिति के अनुसार मंडल स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी प्रत्येक जिले में कम से कम 50 प्रबुद्ध जन एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उनको इन दोनों राज्यो में किए गए विकास कार्यों और सरकार के प्रयासों का किताब देकर उनसे विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसी तरह इसके तीन तलाक बिल के मद्देनजर भाजपा 28 जुलाई से 3 अगस्त तक देश भर में मुस्लिम महिला सशक्तिकरण अभियान का आयोजन करेगी। 28 जुलाई से 3 अगस्त तक भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा तीन तलाक के कानून में परिवर्तन को लेकर पूरे देश मे वर्चुअल बैठकों का आयोजन करेगी।

भारत ने उत्तर कोरिया को 10लाख डॉलर कीमत की मेडिकल सहायता भेजी

नई दिल्ली। भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से प्राप्त अनुरोध के आधार पर उत्तर कोरिया को 10 लाख अमेरिकी डॉलर कीमत की मेडिकल सहायता भेजी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस आशय की जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि भारत, उत्तर कोरिया में मेडिकल उपकरणों/सामग्री की कमी और वहां के हालात के प्रति संवेदनशील है और उसने क्षय रोग की दवा के रूप में 10 लाख डॉलर की मानवीय सहायता प्रदान करने का फैसला लिया। मंत्रालय ने कहा कि यह सहायता उत्तर कोरिया में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा चलाए जा रहे क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत होगा। के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में देश के अधिकारियों को सौंपी। दवाओं की खेप उत्तर कोरिया में भारत के राजदूत अतुल मल्हारी ने डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में देश के अधिकारियों को सौंपी।

चीनी अधिकारी को राष्ट्रपति जिनपिंग की आलोचना पड़ी भारी; पार्टी से निष्कासित, चलेगा मुकद्दमा

बीजिंग।

चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना एक वरि ष्ठ अधिकारी को महंगा पड़ गया । कोरोना वायरस महामारी से निपटने के मुद्दे पर शी के खिलाफ बयान देने वाले सरकारी रियल एस्टेट कंपनी के पूर्व अध्यक्ष रेन झिकियांग को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। यही नहीं उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर मुकदमा चलाया जाएगा। शुक्रवार को कम्युनिस्ट पार्टी ने इसकी घोषणा की। सेंसरशिप और अन्य संवेदनशील विषयों के बारे में अपनी बेबाक राय रखने वाले रेन झिकियांग मार्च में एक लेख ऑनलाइन प्रकाशित करने के बाद से ही सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे । इस लेख में उन्होंने शी जिनपिंग पर वुहान में दिसंबर में शुरू होने वाले प्रकोप को नहीं संभाल पाने का आरोप लगाया था। बीजिंग में शीचेंग जिले के अनुशासन निरीक्षण आयोग ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि 69 वर्षीय रेन पर भ्रष्टाचार, गबन, रिश्वत लेने और सरकार के स्वामित्व वाली एक कंपनी में अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप है। एजेंसी ने कहा कि हॉयुआन समूह के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के उप सचिव को सत्तारूढ़ पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है और उनके मामले को अभियोजन पक्ष को सौंप दिया गया। उसने अपराध के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। चीन में 2012 में सत्तारूढ़ पार्टी के नेता बने शी ने आलोचनाओं को दबाने, सेंसरशिप को सख्त करने और गैर आधिकारिक संगठनों पर नकेल कसने का काम किया है।

अपने ही जाल में फंसा ड्रेगनः अमेरिका में चीनी जासूस महिला वैज्ञानिक गिरफ्तार

वॉशिंगटन।

अमेरिका में साजिश का चक्करव्यूह रचने वाला चीन अब खुद अपने ही जाल में फंस गया है। अमेरिका के चीन के खिलाफ उसके दूतावास बंद करने के असली कारण अब सामने आ चुके हैं। ह्यूसटन में चीनी दूतावास को बंद कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रेगन को चेतावनी दी है कि वे उसकी किसी भी चाल को कामयाब नहीं होने देंगे। अमेरिका स्थित चीनी दूतावासों की आड़ में चीन के सैन्य अधिकारी डिप्लोमैटिक स्टेटस का नाजायज इस्तेमाल कर जासूसी कर रहे हैं। [illegible] ने शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात करीब 3 बजे जासूसी के आरोप में सैन फ्रांसिस्को की डिप्लोमैटिक फेसेलिटी से तांग जुआन (37) को गिरफ्तार कर लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियां देश में तीन और चीनी जासूसों की तलाश कर रही हैं। देश की सीमाओं पर मौजूद अफसरों को अलर्ट पर रहने को कहा गया है। गिरफ्तार चीनी वैज्ञानिक तांग जुआन का मूल पेशा जासूसी है। बीजिंग में इसने बायोलॉजी से ग्रेजुएशन किया व चीनी सेना के लैब में काम करने लगी। इसके बाद अमेरिकी अंदाज में अंग्रेजी बोलना सीखा और जासूसी की ट्रेनिंग ली। धोखाधड़ी से अमेरिकी वीजा लिया और न्यूयार्क पहुंच गई। वैज्ञानिक होना सिर्फ उसका टैग था और पार्ट टाइम जॉब था जबकि असली मिशन अमेरिका की जासूसी था। तांग जुआन की दो फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक फोटो तब की है जब तांग बीजिंग में चीनी सेना के लैब में काम करती थीं। इसी फोटो की वजह से उसकी असली पहचान उजागर हुई। और दूसरी फोटो प्रॉपर [illegible] यूनिफॉर्म में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तांग को कई बार देश के अलग-अलग दूतावासों या डिप्लोमैटिक फेसेलिटी में जाते देखा गया। तांग खुद सोशल मीडिया पर नहीं थी लेकिन, उसके एक दोस्त ने उसकी एक फोटोग्राफ फेसबुक पर शेयर कर दी।

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत, सख्ती के बाद बदले जस्टिन ट्रूडो के सुर

नेशनल डेस्क ।

कैनेडा से उठने वाली भारत विरोधी आवाज़ों को अब तक फ्रीडम आफ स्पीच बताता आई कैनेडा की सरकार ने बड़ा यू टर्न लेते हुए रेफरेंडम 2020 को मान्यता देने से साफ़ इंकार कर दिया है। कैनेडा सरकार ने इस मामले में सिख फार जस्टिस के प्रमुख गुरु पतवंत सिंह पन्नू द्वारा लिखी गयी चिट्ठी को भी नजर अंदाज कर दिया है। यह चिट्ठी पन्नू ने रेफरेंडम 2020 के लिए कैनेडा का समर्थन मांगने के लिए लिखी थी और इस मुहिम के लिए सबसे भारत विरोधी प्रचार भी कैनेडा में ही हो रहा था। केनेडियन प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रुडो सरकार के इस फैसले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की कूटनीतिक सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। मोदी सरकार पिछले कई साल से कैनेडा की धरती से चलाई जा रही खालिस्तानियों की भारत विरोधी मुहिम को लेकर केनेडा सरकार के समक्ष उठा चुकी थी लेकिन कैनेडा की संसद में सिखों का प्रतिनिधित्व होने के कारण भारत की बात अनसुनी कर दी जाती थी लेकिन मोदी सरकार द्वारा कैनेडा के इस रवैये का उसी की भाषा में जवाब दिया तो बात कैनेडा की समझ में आ गई। इस की एक झलक जस्टिन ट्रुडो के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत दौरे के दौरान देखने को मिली थी जब उनके दौरे को तव्वजो नहीं दी गई और केनेडा में विपक्ष ने उनके भारत दौरे को सरकारी पैसे पर निजी छुट्टी कह कर प्रचारित किया। इस के बाद जब जस्टिन ट्रुडो दुबारा केनेडा के प्रधानमंत्री बने तो भारत ने आधिकारिक स्तर की वार्ता में कैनेडा को दो टूक शब्दों में साफ़ कर दिया था कि खालिस्तान का मुद्दा दोनों देशों के आपसी रिश्ते पर असर डाल रहा है और भारत अब केनेडा इस मामले में थोड़ी बेहतर अपेक्षा रखता है।

भारतीय महिला ने कार्य परमिट जारी करने में देरी के लिए अमेरिका के खिलाफ मुकदमा किया दायर

वाशिंगटन।

एक भारतीय महिला ने कार्य परमिट जारी करने में कथित देरी के लिए अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। महिला ने प्राधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे कम से कम 75,000 लंबित अप्रकाशित रोजगार प्राधिकार दस्तावेजों (ईएडी) को दबाए बैठे हैं। रंजीता सुब्रमण्या एच-4 आश्रित वीजा पर अमेरिका पर रह रही हैं और उनके पति विनोद सिन्हा एन-1बी कार्य वीजा पर यहां रह रहा है। रंजीता ने ओहायो में एक संघीय अदालत में मामला दर्ज कराया कि उसके एच-4 दर्जे की सीमा बढ़ाने और रोजगार प्राधिकार दस्तावेज के निवेदन को सात अप्रैल को मंजूरी दी गई थी, लेकिन उन्हें अभी तक काम करने की अनुमति संबंधी कार्ड नहीं मिला है। उनके ईएडी कार्ड की अवधि सात जून, 2020 को समाप्त हो गई थी, जिसके बाद उन्हें काम करना बंद करना पड़ा। रंजीता के वकील ने कहा, ''रंजीता को अब तक ईएडी कार्ड नहीं मिला है और वह काम नहीं कर सकतीं।

सबसे खराब बात यह है कि उनके नियोक्ता ने उसे अधिसूचित किया है कि यदि वह नौ अगस्त, 2020 तक रोजगार की अनुमति संबंधी सबूत मुहैया नहीं कराती हैं, जिसके बाद उन्हें काम करना बंद करना पड़ा। रंजीता के वकील ने कहा, ''रंजीता को अब तक ईएडी कार्ड नहीं मिला है और वह काम नहीं कर सकतीं। सबसे खराब बात यह है कि उनके नियोक्ता ने उसे अधिसूचित किया है कि यदि वह नौ अगस्त, 2020 तक रोजगार की अनुमति संबंधी सबूत मुहैया नहीं कराती हैं, तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा।'' एच-4 वीजा, एन-1बी वीजा धारकों के परिवार के निकट सदस्यों को दिया जाता है रंजीता ने आरोप लगाया कि यूएससीआईएस ने कम से कम75,000 ईएडी कार्ड को रोक रखा है। 75,000 ईएडी कार्ड को रोक रखा है।

संक्षिप्त समाचार

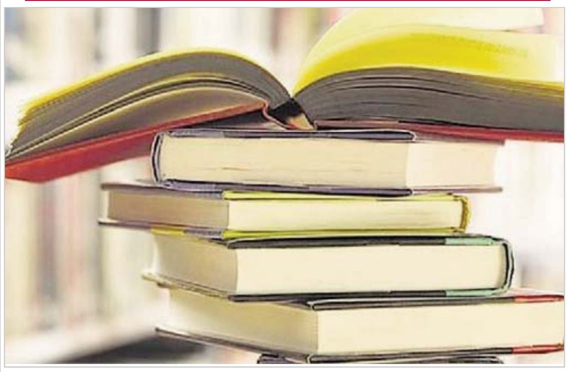

पाकिस्तान में पाक को देश का हिस्सा न दिखाने वाली 100 से अधिक पाठ्य पुस्तकों पर बैन

पेशावर। कश्मीर को लेकर पाकिस्तान हमेशा से अजीब हरकतों अंजाम देता रहा है। नए फैसेल में पाकिस्तान पंजाब की सरकार ने स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली 100 से अधिक पाठ्यपुस्तकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। वजह हैमें ईशनिंदा और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को देश का हिस्सा नहीं दिखाने जैसी सामग्री शामिल होना । पंजाब पाठ्यसामग्री व पाठ्यपुस्तक बोर्ड के प्रबंध निदेशक राय मंजूर नासिर ने कहा कि कुछ पुस्तकों में पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना और राष्ट्रीय कवि मुहम्मद इक़बाल के जन्म की सही तारीख भी नहीं छपी थी, वहीं कुछ पुस्तकों में दो-राष्ट्र सिद्धांत के खिलाफ सामग्री थी। नासिर ने कहा कि 30 समितियों ने सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली करीब 10,000 पुस्तकों की समीक्षा की। इनमें से कुछ पुस्तकों का प्रकाशन ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, लिंक इंटरनेशनल पाकिस्तान, पैरागॉन बुक्स द्वारा किया गया है। बोर्ड ने इन किताबों को बाजार से जब्त करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि अगले छह महीनों के भीतर अन्य पाठ्यपुस्तकों का भी निरीक्षण किया जाएगा।

उत्तर-मध्य भारत में मॉनसून में कमी आ सकती हैः अमेरिकी अनुसंधान एजेंसी

वाशिंगटन । एक नए अध्ययन में यह सामने आया है कि इस वर्ष मॉनसून के कम-दबाव तंत्र के घटने का अनुमान है जिससे उत्तर-मध्य भारत में बारिश में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। अमेरिका की एक अनुसंधान एजेंसी के अध्ययन में यह बात सामने आई है। राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) का यह अध्ययन शुक्रवार को प्रकाशित हुआ है। इसमें दक्षिण एशियाई मॉनसून क्षेत्र में 'मॉनसून कम दबाव तंत्र' (एमएलपीएस) के उल्लेखनीय हद तक घटने का अनुमान व्यक्त किया गया है। एनओएए ने कहा कि एमएलपीएस भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा का एक कारक है और इससमें किसी भी तरह का बदलाव फिर चाहे वह प्राकृतिक हो अथवा मानव निर्मित, इसके दूरगामी सामाजिक आर्थिक प्रभाव होते हैं।

अमेरिका में वायु सैनिक अड्डे पर गोलीबारी, एक व्यक्ति की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में वायु सेना के हर्लबट फील्ड बेस में गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और एक अन्य घायल हो गया। बेस ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट एक बयान में बताया कि एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया है और एक अन्य घायल हो गया है। मृतक की पहचान 24 घंटे बाद परिजनों की अनुमति मिलने पर जाहिर की जाएगी। घायल व्यक्ति को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वायु सेना के विशेष जांच कार्यालय ने मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

मुंबई हमले के आरोपी राणा के फरार होने का खतरा, अमेरिकी कोर्ट ने ठुकराई जमानत याचिका

लॉस एंजलिस। अमेरिका की एक अदालत ने 2008 में 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के लिए भारत द्वारा भगोड़ा करार दिए गए पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा की जमानत याचिका खारिज कर दी। डेविड कोलमैन हेडली के बचपन के दोस्त राणा (59) को 2008 मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में शामिल होने के लिए भारत के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर लॉस एंजिलिस में 10 जून को फिर से गिरफ्तार किया गया था। इस हमले में 6 अमेरिकियों समेत 166 लोग मारे गए थे। भारत में वह भगोड़ा अपराधी घोषित है। लॉस एंजिलिस में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की न्यायाधीश जैकलीन चूलजियान ने 21 जुलाई को अपने 24 पृष्ठों के आदेश में राणा को जमानत देने से इंकार करते हुए कहा कि उसके फरार होने का खतरा है। अमेरिका सरकार ने यह दलील देते हुए उसे जमानत पर रिहा करने का विरोध किया कि अगर वह कनाडा भाग जाता है तो उसके भारत में मौत की सजा से बचने की आशंका है। अमेरिका के सहायक अटॉर्नी जॉन जे लुलेजियान ने अदालत में कहा, ''किसी भी मुचलके पर जमानत देने से अदालत में राणा की मौजूदगी सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। उसे जमानत देने से अमेरिका को अपने विदेश मामलों में शर्मिंदा होना पड़ सकता है और उसके भारत के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। वहीं, राणा के वकील ने कहा कि 26/11 के आरोपी के फरार होने का खतरा नहीं है और उन्होंने उसे जमानत पर रिहा करने के लिए 15 लाख डॉलर का मुचलका भरने का प्रस्ताव रखा। राणा ने अपने बचाव में कहा कि अमेरिका का सह-आरोपी हेडली को भारत प्रत्यर्पित न करने का फैसला असंगत है और यह उसके प्रत्यर्पण पर रोक लगाता है। पाकिस्तान में जन्मे राणा ने वहां के आर्मी मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई की और एक दशक से अधिक समय तक पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम किया। वह अब कनाडाई नागरिक है, लेकिन वह शिकागो में रहता था, जहां उसका कारोबार था।

पाकिस्तान में कोविड-19 के 1,487 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 1,487 नए मामले सामने आने के बाद शनिवार को संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 271,886 हो गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि इस बीमारी से अब तक 236,596 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। संक्रमण के कुल मामलों में सिंध में 116,800, पंजाब में 91,691, खैबर-पख्तूनख्वा में 33,071, इस्लामाबाद में 14,821, बलूचिस्तान में 11,550, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 2,012 और गिलगित-बाल्तिस्तान में 1,942 मामले सामने आए। देश में पिछले 24 घंटों में 1,487 नए मरीज सामने आने के बाद कोविड-19 के कुल मरीजों की संख्या 271,886 पर पहुंच गई जबकि 24 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 5,787 हो गई। मंत्रालय ने बताया कि 1,294 मरीजों की हालत गंभीर है। कोरोना वायरस के 29,503 मरीजों का घर या विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने अब तक कोरोना वायरस के लिए कुल 1,844,926 नमूनों की जांच की है जिनमें से 23,630 नमूनों की जांच बीते 24 घंटों में की गई। जिनमें से 23,630 नमूनों की जांच बीते 24 घंटों में की गई।

कुलभूषण मामले में बदले पाक के सुरः कहा- राहत का कोई इरादा नहीं, भारत को फंसाने के लिए रचा ड्रामा

इस्लामाबाद।

कुलभूषण जाधव मामले में पाकिस्तान ने फिर अपना असली चेहरा दिखा दिया है। 2 दिन पहले कुलभूषण के लिए वकील की मांग करने का ड्रामा करने वाले पाकिस्तान के सुर बदल नजर आ रहे हैं। पाक सरकार ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि जेल में बंद भारतीय जासूस कुलभूषण जाधव को राहत दे रही है। कानून मंत्री फरोग नसीम ने कहा- हम जाधव को न तो किसी तरह की राहत दे रहे हैं और न ऐसा कोई इरादा है। हमने तो कॉन्स्युलर एक्सेस देकर भारत को के हाथ से एक हथियार छीन लिया है। शुक्रवार शाम संसद में एक बहस के दौरान नसीम ने कहा कि जाधव को राहत या इस मामले में फिर से विचार करने के आरोप पूरी तरह गलत हैं। सरकार ने इस मामले में वही किया जो इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (ने कहा था। अगर ये नहीं करते तो भारत इस मामले को दुनिया के सामने रखता और हम पर कई आरोप लगाए जाते। विपक्ष को तो हमारी तारीफ करनी चाहिए कि हमने भारत के हाथ से एक हथियार छीन लिया। पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में इस्लामाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका दायर करके जाधव को वकील मुहैया कराने की मंजूरी मांगी थी। विपक्ष के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने इसका विरोध करते हुए गुरुवार को संसद में यह मसला उठाया। भुट्टो ने कहा- सरकार जाधव को राहत दे रही है।

उसके मामले पर फिर से विचार किया जा रहा है। भुट्टो इशारों में यह कहने से भी नहीं चूके कि इमरान सरकार पर भारत का दबाव है। इमरान सरकार का दावा है कि जाधव को के आदेशों के तहत ही वकील मुहैया कराया जाना है।

कॉन्स्युलर एक्सेस भी इसीलिए दिए गए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती तो भारत यह मामला ह सिक्योरिटी काउंसिल और दुनिया के सामने उठाता, इससे सरकार परेशानी में आ सकती थी। बता दें कि पाकिस्तान का दावा है कि कुलभूषण भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के जासूस हैं। भारत उन्हें कारोबारी बताता है।

नेपाल सियासी संकटः प्रचंड बोले - नेक नहीं ओली के इरादे, टूटने की कगार पर पहुंचाई एनसीपी

इंटरनेशनल डेस्क।

नेपाल की राजनीति में उठा तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल प्रचंडॉ के बीच चल रहा विवाद सुलझने के बजाय और उलझता जा रहा है। कुछ दिन पहले तक लग रहा था कि शायद सब ठीक हो जाएगा और ओली की कुर्सी बच जाएगी लेकिन अब ये संभावना एक बार फिर क्षीण होती दिखाई दे रही है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के उपचेयरमैन और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के प्रमुख विरोधी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने साफ कह दिया है कि ओली के इरादे नेक नहीं लग रहे और अभी पार्टी टूटने की आशंका खत्म नहीं हुई है। सत्ता के बंटवारे को लेकर मचे घमासान के बीच सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सह-अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली पार्टी को दोफाड़ करने पर आमादा हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि ओली के कहने पर कुछ लोगों ने देश के निर्वाचन आयोग के पास नाम की पार्टी रजिस्टर कराई है। इससे पहले पार्टी के बीच पैदा हुए संकट को खत्म करने के लिए चीनी राजदूत ने ताबड़तोड़ बैठकें की थीं जिससे अटकलें लगाई जा रही थीं कि शायद कुछ सुलह हो भी सकती है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की स्थाई समिति की बैठक में प्रधानमंत्री ओली के धड़े और पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड के खेमे के बीच के मतभेदों को दूर नहीं किया जा सका। इसी बैठक के कुछ दिन बाद प्रचंड ने यह बयान दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रेष्ठ और नर बहादुर कर्मचार्य के स्मृति दिवस पर काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन प्रचंड ने संकेत दिए किए में संकट की वजह पीएम ओली का बर्ताव है। दहल ने कहा, बातचीत के बावजूद पार्टी के दूसरे चेयरमैन के कहने पर निर्वाचन आयोग में नाम की पार्टी रजिस्टर कराई गई जिससे हमारी पार्टी संकट में है। श्रष्ट में नाम की पार्टी के रजिस्ट्रेशन के लिए 1 जुलाई को आवेदन दिया गया था। यह आवेदन संध्या तिवारी के नाम से दिया गया था। ओली पर पार्टी को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए दहल ने कहा कि उन्होंने अपने पक्ष में छात्रों और पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रदर्शन कराए। उन्होंने कहा, हम पार्टी के अंदर चर्चा कर रहे हैं लेकिन देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। बता दें कि नेपाल की राजनीति में पैदा हुए संकट के बाद चीन की राजदूत हाओ यान्की ने देश के सभी बड़े नेताओं के साथ खूब बैठकें कीं। यान्की को पीएम केपी ओली का करीबी तो माना ही जाता है, इस बीच उन्होंने माधव नेपाल से लेकर राष्ट्रपति बिद्या भंडारी से भी मुलाकात कर डाली। यहां तक कि उनसे मिलने से बचते रहे दहल भी आखिरकार बैठक के लिए राजी हो गए।

इसे लेकर देश में सवाल भी उठे कि आखिर चीनी राजदूत का नेपाल की राजनीति में इतना दखल क्यों है लेकिन चीन के दूतावास ने उनकी बैठकों का समर्थन किया और कहा कि चीन चाहता है ।

तूफान हन्ना हुआ विकराल, टेक्सास तट से टकराने की चेतावनी जारी

मियामी। उष्णकटिबंधीय तूफान हन्ना ने विकराल रूप ले लिया है और यह शनिवार दोपहर या शाम तक इसके दक्षिणी टेक्सास तट से प्रचंड आंधी के रूप में टकराने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों ने शुक्रवार की रात यह जानकारी दी और यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब एक अन्य उष्णकटिबंधीय तूफान कैरिबियाई द्वीप पर दस्तक देने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने अपने शाम चार बजे के परामर्श में कहा कि हन्ना टेक्सास के कोर्पस क्रिस्टी से 270 किलोमीटर पूर्व में केंद्रित है। इस तूफान में लगातार 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं और यह 13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। अनुमान है कि हन्ना शनिवार दोपहर या शाम से कुछ वक्त पहले तट से टकराएगा। पोर्ट मेन्सफील्ड से मेस्किट बे तक के लिए प्रचंड आंधी की चेतावनी जारी की गई है। बफिन बे से लेकर सार्जेंट तक के लिए भीषण अंधड़ की चेतावनी जारी है। वहीं मेक्सिको के बारा एल मेज्कविटल से टेक्सास के पोर्ट मेन्सफील्ड तक और मेस्किट बे से टेक्सास के हाई आईलैंड तक उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी प्रभावी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि हन्ना के कारण रविवार रात भर में 13 से 25 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। इसके अलावा समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठने की आशंका है जिससे मौजूदा स्थितियां बिगड़ सकती हैं।

सिंगापुर प्रधानमंत्री ने नए मंत्रिमंडल का किया ऐलान, शपथ ग्रहण समारोह 27 को

सिंगापुर।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग की पार्टी के 2020 आम चुनाव में 61.24 प्रतिशत मत हासिल करने के 15 दिन बाद प्रधानमंत्री ने शनिवार को अपने नए मंत्रिमंडल की घोषणा की। सिंगापुर में राष्ट्रपति कार्यालय इस्ताना और संसद में सोमवार को मंत्रिमंडल के सदस्य एवं अन्य अधिकारी शपथ लेंगे। नए मंत्रिमंडल में पहले की ही तरह 37 मंत्री होंगे। ली ने कहा कि नया मंत्रिमंडल मौजूदा जन स्वास्थ्य संकट एवं आर्थिक संकट से बाहर निकलने के लिए देश का नेतृत्व करेगा। हेंग स्वी कीट को पहले की तरह उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री बनाया गया है। इसके अलावा उन्हें नए मंत्रिमंडल में आर्थिक नीतियों के समन्यक मंत्री के तौर पर भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। तियो चीन हियान पहले की ही तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए वरिष्ठ मंत्री एवं समन्यवक मंत्री के तौर जिम्मेदारी निभाएंगे और भारतीय मूल के तरमन शणमुगरत्नम भी सामाजिक नीतियों के लिए वरिष्ठ मंत्री एवं समन्वयक मंत्री के तौर पर जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। ये दोनों मंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय में भी सेवाएं देंगे। भारतीय मूल के के. शणमुगम को कानून एवं गृह मंत्रालय, भारतीय मूल के ही डॉ. विवियन बालकृष्णन को विदेश मंत्रालय और भारतीय मूल के एक अन्य नेता एस ईश्वरन को संचार एवं प्रसार मंत्री का कार्यभार सौंपा गया है। इद्राणी राजा को राष्ट्रीय विकास के लिए वरिष्ठ मंत्री बनाया गया है। इसके अलावा मंत्रालय में नए चेहरों को भी जगह दी गई है। लूंग की पीपुल्स ऐक्शन पार्टी (पीएपी) ने कोविड-19 महामारी के बीच हुए आम चुनाव में संसद की 93 में से 83 सीटों पर जीत दर्ज कर ''स्पष्ट जनादेश हासिल किया ह जबकि विपक्षी दल ने रिकॉर्ड 10 सीटों के साथ बढ़त हासिल की है और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।'' जबकि विपक्षी दल ने रिकॉर्ड 10 सीटों के साथ बढ़त हासिल की है और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। पीएपी 1965 से ही सत्ता में है। उसने चुनाव में 61.24 प्रतिशत मत हासिल किए जबकि 2015 में हुए चुनाव में उसे 69.9 प्रतिशत मत मिले थे। करीब 26 लाख सिंगापुरवासियों ने शुक्रवार को मतदान किया। इस बार विपक्षी वर्कर्स पार्टी के लिए भी परिणाम हैरान करने वाले रहे, जिसने 10 सीटें हासिल कर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। शुक्रवार के चुनाव को कोरोना वायरस महामारी से निपटने पर प्रधानमंत्री के लिए जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा था। सिंगापुर उन कुछ गिने चुने देशों में शामिल है, जहां महामारी के दौरान चुनाव हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात एटीएस ने महिला समेत तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात एन्टी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने पूर्व सूचना के आधार पर तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया।

दक्षिण गुजरात के तापी के व्यारा से पकड़े गए नक्सलियों के पास से नक्सली गतिविधियों की पत्रिकाएं, मोबाइल और लेपटोप बरामद हुआ है।

भारत में आदिवासियों को छोड़ और कोई नहीं रहेगा, ऐसी पत्रिकाएं मिली हैं। नक्सलियों के फोन ट्रेसिंग में भी चौंकाने वाली जानकारी सामने आई हैं।

जिसमें हथियारों की मांग की जा रही है।

झारखंड के पत्थलगडी आंदा.

लन से जुडे सामु ओराया और उसका भाई बिरसा ओराया तथा बदिया काताचप नामक तीनों नक्सली झारखंड के मूल निवासी हैं।

तीनों नक्सली गुजरात के व्यारा में पिछले चार महीने से स्थानीय फैक्ट्रियों में काम करते और

आदिवासी बहुल इलाकों में पत्थलगडी विचारधारा का प्रचार कर लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काते थे।

गिरफ्तार किए गए तीनों नक्सली झारखंड में अपहरण और हत्या जैसे मामलों में वांछित हैं।

जेसीबी ने 7 माह के बच्चे को रौंदा सिर के दो टुकड़े होने से मौके पर मौत

क्रांति समय सुरत

भरुच , पानोली जीआईडीसी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जिसमें सात महीने के एक बच्चे की जेसीबी से कुचलकर मौत हो गई। यह दृश्य देखने वाले लोग दर्द से चित्कार उठे। अंकलेश्वर रुरल पुलिस ने मामला दर्ज जेसीबी के फरार ड्राइवर की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले की पानोली जीआईडीसी स्थित एक कंपनी में बिलवाड निवासी मुकेश दीनाभाई नौकरी करते हैं। मुकेश की पत्नी भी इसी कंपनी में मजदूरी करती है। कंपनी ओर से मिले मकान में मुकेश अपनी पत्नी, एक पुत्री और 7 महीने के पुत्र के साथ रहते हैं। दोपहर के वक्त मुकेश का 7 महीने का पुत्र कंपनी परिसर में खेल रहा था। उस वक्त जेसीबी मिट्टी उठाने आई थी। मुकेश ने तेज रफ्तार में जेसीबी चलाने पर उसके ड्राइवर ईलेश डामोर को टोका था, लेकिन कान में इयरफोन लगा होने से उसने सुना नहीं। अपनी मस्ती में मस्त ईलेश लापरवाह होकर जेसीबी चला रहा था और उस दौरान मुकेश का 7 महीने का पुत्र जेसीबी की चपेट में आ गया। इस हादसे में मासूम बच्चे के सिर दो टुकड़े हो गए और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद जेसीबी का ड्राइवर ईलेश डामोर घटनास्थल से फरार हो गया। मुकेश की शिकायत के आधार पर अंकलेश्वर रुरल पुलिस ने ईलेश डामोर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है।

उपचुनाव से पहले मालिया तहसील प्रमुख समेत कांग्रेस के 60 नेता भाजपा में शामिल

क्रांति समय सुरत

मोरबी में उपचुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। मालिया तहसील कांग्रेस प्रमुख और तहसील पंचायत के सदस्य समेत 60 नेता और कार्यकर्ताओं ने आज भाजपा दामन थाम लिया। गुजरात भाजपा के उपाध्यक्ष आईके जाडेजा, राज्य के ऊर्जा मंत्री और मोरबी के प्रभारी सौरभ पटेल, सांसद मोहन कुंडारिया और मोरबी के पूर्व विधायक ब्रिजेश मेरजा की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा जॉइन कर ली।

भाजपा में शामिल होने वालों में मालिया तहसील प्रमुख आरके पारेजिया और मोरबी तहसील पंचायत के सदस्य मणीलाल बावरवा और भानुभाई राठौड़ शामिल हैं।

इसके अलावा मालिया तहसील के कई गांवों को सरपंच और उप सरपंच समेत 60 जितने नेता और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर लीं। भाजपा में शामिल होने के बाद मालिया तहसील कांग्रेस के प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस में आतंरिक कलह की वजह से परेशान होकर वे भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस में गुटबाजी के कारण विकास कार्य नहीं हो रहे। मालिया तहसील के गांवों के विकास के लिए वह भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इस मौके पर कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए पूर्व विधायक ब्रिजेश मेरजा की जुबान फिसल गई और उन्होंने भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटील को गुजरात प्रदेश कांग्रेस बता दिया।

पुलिस को चकमा देकर फरार दो शराब तस्करों की कुएं में गिरने से मौत

क्रांति समय सुरत

वलसाड, दमण से शराब लेकर गुजरात में दाखिल हुए दो शराब तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफल हो गए, लेकिन मौत से पीछा नहीं छुड़ा पाए। पुलिस से बचने कार छोड़कर भाग रहे शराब तस्करों की 50 फूट गहरे कुएं में गिरने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले की वापी तहसील के वटार गांव का 40 वर्षीय परेश रमेश हलपती और मुंबई के मलाड निवासी अकील उर्फ अशरफ नूरमहमद दमन से कार में शराब लेकर गुजरात आ रहे थे। गुजरात में प्रवेश करते ही पुलिस को देख परेश और अकील कार छोड़कर भाग निकले। रात के अंधेरे में दोनों पैदल चलते चलते 50 फूट गहरे एक कुएं में जा गिरे। वटार गांव के विनोद बालुभाई पटेल के घर के पीछे स्थित इस कुएं में पानी नहीं था। कुएं में दो लोगों के गिरने की खबर लगते ही तुरंत वापी पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस, फायर समेत एम्ब्युलैंस 108 घटनास्थल पर पहुंच गई और दोनों युवकों के शव कुएं से बाहर निकाल अस्पताल भेज दिए। वापी पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्टः जब दहल उठा था सिविल हॉस्पिटल का 'दिल'

12 वर्षों में सेवा–शुश्रूषा और संवेदना के मरहम से भर गए घटना के गहरे घाव

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद (एजेसी) 26 जुलाई, 2008 की वह शाम जब अहमदाबाद समेत शहर का सिविल हॉस्पिटल भी बम धमाकों से दहल उठा था। उस भयावह दिन को शायद हर कोई भूल जाना चाहता है, लेकिन भूलना इतना आसान भी नहीं होता। हालांकि आपत्ति को भूलकर तेजी से उठ खड़ा होना गुजरात का स्वभाव है और गुजरात के इस 'स्वभाव' का 'प्रभाव' सिविल हॉस्पिटल में भी नजर आता है। गुजरात या देश नहीं बल्कि एशिया के सबसे बड़े इस सिविल हॉस्पिटल में रोजाना हजारों मरीज आते हैं। शायद इतनी अधिक तादाद में मरीजों के उपचार और सेवा–शुश्रूषा ने ही सिविल को जीवंत बनाए रखा है। 2008 के सीरियल ब्लास्ट से लेकर वर्ष 2020 तक 12 वर्षों के दौरान सिविल हॉस्पिटल में कुल 9560825 मरीजों ने उपचार लाभ प्राप्त किया है। जिसमें ओपीडी अर्थात बाह्य रोगी के रूप में 8373546 और आईएनडी यानी भर्ती होने वाले 1187279 मरीज शामिल हैं। आपदा चाहे प्राकृतिक हो या मानव सर्जित, दोनों ही मामलों में सिविल हॉस्पिटल चट्टान की तरह अडिग खड़ा रहा है और मरीजों की सेवा–शुश्रूसा की अविरत गंगा यहां बहती रही है। वापस लौटते हैं उस घटना पर...

जिसके आज 4380 दिन हो चुके हैं बम धमाकों की उस घटना को बीते। हालांकि, धमाके के उस भयावह दिन डॉक्टर, पैरा मेडिकल स्टाफ सहित समूचा हॉस्पिटल स्तब्ध हो गया था, लेकिन कुछ ही मिनटों में पूरा तंत्र तेजी के साथ काम में जुट गया। सिविल हॉस्पिटल में आज भी सेवारत और धमाके की उस घटना के गवाह मुकेशभाई पटणी कहते हैं, ''बम धमाके के बाद हतप्रभ हॉस्पिटल का पूरा स्टाफ महज 15 मिनट में ही वापस अपना कर्तव्य अदा करने को हाजिर हो गया था। एक–एक बिस्तर पर 10 से 15 डॉक्टर सेवा के लिए प्रयासरत थे। तब से लेकर आज तक मरीजों के प्रति सिविल हॉस्पिटल का निःस्वार्थ सेवा–भाव उतनी ही मुस्तैदी और संवेदना से जारी है, उसमें रत्ती भर की भी कमी नहीं आई है।'' इस इलाके में रहने वाले एक समाजसेवी दिनेशभाई दूधात कहते हैं, ''पूरे अहमदाबाद में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। बापूनगर में भी ब्लास्ट हुआ था, घायलों की संख्या बहुत ज्यादा थी। मैं धनवंतरि हॉस्पिटल की एंबुलेंस में मरीजों को लेकर सिविल हॉस्पिटल आया था। ट्रोमा सेंटर पहुंचकर हम मरीजों को एंबुलेंस से उतार ही रहे थे

कि बम धमाके की गूंज से समूचा परिसर थर्रा उठा। अनगिनत लोग जख्मी हो गए थे। किसी के अंग बिखर गए थे, तो किसी का परिवार...''

घटना की याद ताजा करते हुए दिनेशभाई के चेहरे की पीड़ा बहुत कुछ बयान कर रही थी। उन्होंने कहा, ''धमाके के बाद बर्बादी का वह मंजर लगभग एक साल तक मेरे मन–मस्तिष्क पर छाया रहा। आज भी उन दृश्यों की याद आती है तो कलेजा कांप उठता है। शायद सिविल हॉस्पिटल में मरीजों के प्रति सेवा–शुश्रूषा के भाव ने ही हमारे जख्मों पर मरहम लगाया है। धमाकों में मैं भी घायल हो गया था, लेकिन घायल मरीजों की सेवा करते–करते मुझे अपनी चोट का एहसास ही न रहा।'' सिविल हॉस्पिटल में विशेष कार्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर कहते हैं, ''ट्रोमा सेंटर सिविल हॉस्पिटल का 'दिल' है। उस धड़कते हृदय पर जो पाशविक हमला हुआ था, उसे हम भुला नहीं सकते। हालांकि, उस घटना के तानेबाने को हृदय के एक कोने में दबाकर सिविल हॉस्पिटल ने मरीजों के प्रति सेवा–शुश्रूषा को और भी त्वरित एवं संवेदनशील बनाया है।'' डॉ. प्रभाकर कहते हैं कि, वह तो मानव निर्मित आपत्ति थी जबकि आज कोरोना के रूप में प्राकृतिक आपदा ने दस्तक दी है। कोरोना की विभीषिका के बीच भी हॉस्पिटल का हर एक डॉक्टर, नर्स और पैरा मेडिकल स्टाफ उस भाव के साथ मरीजों की सेवा में जुटे हुए हैं मानों वह उनका ही स्वजन हो। वे कहते हैं कि हमारी सेवा–शुश्रूषा और संवेदना में कभी कोई कमी नहीं आई है। सिविल हॉस्पिटल के मौजूदा सुप्रिटेंडेंट डॉ. जेपी मोदी ने कहा कि एक डॉक्टर के लिए यह महत्वपूर्ण नहीं होता कि मरीज कौन है, अहम बात यह होती है कि मरीज को दर्द क्या है। मरीज के दर्द को कम करने के लिए जो कुछ भी करना पड़े वही उसका पवित्र कर्तव्य होता है। डॉ. मोदी ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि 12 वर्ष पहले हुई धमाकों की वह घटना कोई छोटी–मोटी बात तो नहीं ही थी। उस घटना में मैंने अपने प्रिय विद्यार्थी डॉ. प्रेरक और उनकी गर्भवती पत्नी को खोया था। उस बात का अफसोस मुझे हमेशा रहेगा। आम तौर पर ऐसी घटनाएं सभी स्थलों पर होती हैं, लेकिन हॉस्पिटल पर आतंकी हमले की यह शायद पहली घटना थी। घायलों की सेवा करने वालों को ही घायल करने का वह नापाक इरादा था। उसे लेकर तब हम डॉक्टरों के मन में भी शायद कुछ पल के लिए ही सही, घृणा आ गई थी। परन्तु जल्द ही हमारी संवेदना ने उस घृणा को दरकिनार कर दिया और आज भी हमारे सांसों में रची बसी हुई है। वैश्विक महामारी के इस दौर में कोरोना से पीड़ित मरीजों के प्रति हमारी इस संवेदना ने ही हमें जीवंत रखा है। डॉ. मोदी ने कहा कि वर्ष 2001 में आए विनाशक भूकंप के दौरान मैं बतौर ऑर्थोपेडिक डॉक्टर सिविल हॉस्पिटल का प्रतिनिधि बनकर चार्टर्ड प्लेन के जरिए सबसे पहले कच्छ पहुंचा था। प्रकृति के कोप से बिखरी जिंदगियों को संवारने के मानव सेवा के वे दिन आज भी स्मृति पटल पर उभर आते हैं।

आपदा प्राकृतिक हो या मानव निर्मित, संवेदना के साथ अपार करुणा का सेवा–झरना आज भी सिविल हॉस्पिटल में अविरत बहता है।

सलाम है सिविल हॉस्पिटल को...

24 घंटों में राज्य की 140 तहसीलों में बारिश

सबसे अधिक माणसा में 4 ईंच

अहमदाबाद, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य की 140 तहसीलों में बारिश हुई। गांधीनगर की माणसा तहसील में सबसे अधिक 4 ईंच बारिश दर्ज हुई। अमरेली के सावरकुंडला में 3.92 ईंच, तापी के सोनगढ़ में 3.72 ईंच, कड़ी में 3.70 ईंच बारिश हुई।

सुरेन्द्रनगर के चोटीला में 3.25 ईंच, तापी के निझर में 3 ईंच, खेडा के कपड़वंज में 2.5 ईंच, मेहसाणा शहर, अरवल्ली के धनसुरा, अमरेली के राजूला और पंचमहल के गोधरा में 2 ईंच से अधिक बारिश हुई। जबकि साबरकांठा के पोशीना और सूरत के मांडवी में 2 ईंच जितनी बारिश दर्ज हुई। पिछले 24 घंटों में राज्य की 15 तहसीलों में 2 ईंच, 40 तहसीलों में 1 ईंच से अधिक बारिश हुई। आज सुबह 6 से 8 बजे के दौरान राज्य की 7 तहसीलों में बारिश हुई है। पोरबंदर के राणावाव, जूनागढ़ के वंथली और गिर सोमनाथ के कोडीनार में आधा ईंच बारिश जितनी बारिश हुई। मेहसाणा के बहुचराजी तहसील के अजबपुरा गांव स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर बिजली गिरने से काफी नुकसान हुआ हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दो–तीन दिन सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में हलके से भारी बारिश होने का अनुमान हैद्य सौराष्ट्र के अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, जूनागढ़ और दक्षिण गुजरात के वलसाड में भारी बारिश का अनुमान हैं । मौसम विभाग के मुताबिक 25 और 26 जुलाई को राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश हो सकती हैद्य बता दें कि जारी मौसम में दक्षिण गुजरात से ज्यादा सौराष्ट्र में 50 प्रतिशत बारिश हो चुकी हैं।

जबकि उत्तर और मध्य गुजरात में अब तक मौसम की 35 प्रतिशत बारिश हुई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)